ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 334 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

09 जून 2026 मंगलवार

आज का मौसम

38.8 अधिकतम

21.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

नर्मदापुरम के केसला ब्लॉक में महसूस हुए भूकंप के झटके

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के केसला ब्लॉक के ग्राम चिचवानी, छीतापुरा में सोमवार रात को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड मापी गई। झटके महसूस होते ही कुछ ग्रामीण लोग डर गए। हालांकि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। मौसम केंद्र भोपाल और NCS की वेबसाइड पर भूकंप के झटके की जानकारी अपडेट हुई है। रात 9:39 बजे रिक्टर स्केल पर 3.8 मापी की तीव्रता दर्ज की गई। जमीन के अंदर की गहराई 10 किमी रही।

सौ करोड़ जीएसटी धोखाधड़ी में घिरे पंजाब के मंत्री अरोड़ा

जालंधर। पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा सहित अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आज कई ठिकानों पर नए सिरे से तलाशी ली। 100 करोड़ रुपये के जीएसटी धोखाधड़ी केस में ईडी ने पंजाब-

दिल्ली और यूपी में छापामारी की। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी की यह तलाशी पंजाब के जालंधर व लुधियाना और उत्तर प्रदेश के बरेली व नोएडा सहित कुल छह ठिकानों पर चल रही है। जांच के दायरे में आई इन जगहों में मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी 'हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड' के अलावा, उससे संबंधित अन्य लोगों और संस्थाओं के आवासीय व व्यावसायिक दफ्तर शामिल हैं।

एअर इंडिया की फ्लाइट पक्षी से टकराई, इमरजेंसी लैडिंग

राजकोट। हीरासर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा टल गया। राजकोट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट टेक-ऑफ के दौरान पक्षी से टकरा गई। पक्षी के टकराते ही पायलट ने अपनी सूझबूझ और तेजी दिखाते हुए एयरपोर्ट पर ही सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की। इस फ्लाइट में 124 यात्री सवार थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और एयरपोर्ट प्रशासन ने राहत की सांस ली। मिली जानकारी के अनुसार, जैसे ही एयर इंडिया की यह फ्लाइट राजकोट एयरपोर्ट के रनवे से उड़ान भर रही थी, तभी एक पक्षी फ्लाइट के इंजन से टकरा गया।

शिवकुमार की बढ़ी टेंशन मंत्री-विधायक पहुंचे दिल्ली

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के भीतर पोर्टफोलियो बंटवारे को लेकर मची रात अभी शांत होता नहीं दिख रहा है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अभी कुछ ही दिन पहले वरिष्ठ मंत्री रामलिंगा रेड्डी की बगावत को शांत कराया था, लेकिन अब दो और बड़े नेताओं की नाराजगी ने सरकार के सामने नई मुसीबत खड़ी कर दी है। दोनों कांग्रेस नेतृत्व से चर्चा के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार, बेंगलुरु विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा और कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद आलाकमान से मिलने दिल्ली पहुंच चुके हैं। इन नेताओं के इस कदम से कयास लगाए जा रहे हैं कि कर्नाटक में कैबिनेट और विभागों के फेरबदल का खेल अभी खत्म नहीं हुआ है।

बिहार पुलिस पर किया हमला महिला सिपाही समेत 8 घायल

मुजफ्फरपुर। पारू थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव में देर रात शराब कारोबारी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर असामाजिक तत्वों और ग्रामीणों ने जानलेवा हमला कर दिया। उपद्रवियों ने पुलिस टीम को घेरकर उन पर ताबड़तोड़ ईंट-पत्थर बरसाए, जिसमें एक महिला सिपाही सहित कुल आठ पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले में पुलिस की गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना के बाद इलाके में तनाव है और पुलिस उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

आज का कार्टून

H-1B वीजा पर अमेरिकी कोर्ट का बड़ा फैसला... अतिरिक्त फीस को गैरकानूनी ठहराया

ट्रंप की एक लाख डॉलर फीस रद्द, भारतीय इंजीनियरों और टेक सेक्टर को बड़ी राहत

हर साल जारी होने वाले इस वीजा में भारतीयों की हिस्सेदारी 70 फीसदी

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की एक संघीय अदालत ने एच-1बी वीजा पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाई गई 1 लाख डॉलर (करीब 85 लाख रुपये) की अतिरिक्त फीस को गैरकानूनी करार देते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह शुल्क दरअसल एक टैक्स था, जिसे लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी संसद (कांग्रेस) को है, राष्ट्रपति को नहीं। यह फैसला भारतीय आईटी पेशेवरों, अमेरिकी नौकरी का सपना देखने वाले इंजीनियरों और भारतीय आईटी कंपनियों के लिए राहत की खबर माना जा रहा है। एच-1बी वीजा का सबसे अधिक लाभ भारतीयों को मिलता है। अमेरिका में हर साल जारी होने वाले इस वीजा में भारतीयों की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत से अधिक रहती है।

पिछले वर्ष ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा को महंगा और कठिन बनाने के उद्देश्य से नए वीजा आवेदनों पर 1 लाख डॉलर की अतिरिक्त फीस लगा दी थी। इससे कंपनियों की लागत अचानक कई गुना बढ़ गई थी। सामान्यतः एक एच-1बी आवेदन पर सरकारी शुल्क कुछ हजार डॉलर होता है, लेकिन नई व्यवस्था में यह राशि कई गुना बढ़ गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले का सबसे ज्यादा फायदा भारतीय आईटी क्षेत्र को मिलेगा। भारतीय कंपनियां वर्षों से अमेरिका को तकनीकी विशेषज्ञ उपलब्ध कराती रही हैं। यदि प्रति कर्मचारी 1 लाख डॉलर की अतिरिक्त लागत देनी पड़ती, तो कई कंपनियां नए एच-1बी आवेदन करने से बचतीं। अमेरिका में तकनीकी कंपनियां, अस्पताल, विश्वविद्यालय और रिसर्च संस्थान बड़ी संख्या में एच-1बी वीजा पर निर्भर हैं। अदालत ने भी अपने फैसले में माना कि इतनी बड़ी फीस से कुशल कर्मचारियों की भर्ती प्रभावित हो रही थी।

ऊपरी अदालत में चुनौती संभव

हालांकि मामला अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी जा सकती है। इसलिए अंतिम तस्वीर आने में कुछ समय लग सकता है। भारत के लिए यह फैसला ऐसे समय आया है जब बड़ी संख्या में युवा अमेरिकी टेक उद्योग में अवसर तलाश रहे हैं। एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों की मांग लगातार बनी हुई है। यदि वीजा प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल और कम खर्चीली रहती है तो भारतीय प्रतिभाओं के लिए अमेरिका का रास्ता खुला रहेगा।

संकीर्ण सोच की हार...

दोपहर मेट्रो
पॉइंट ऑफ व्यू

एच-1बी वीजा पर लगाई गई एक लाख डॉलर की अतिरिक्त फीस को गैरकानूनी ठहराकर अमेरिकी अदालत ने केवल एक प्रशासनिक आदेश रद्द नहीं किया है, बल्कि उस सोच को भी चुनौती दी है जो दुनिया को दीवारों और सीमाओं के भीतर कैद करना चाहती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में प्रवासियों और विदेशी पेशेवरों को देश समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की। अमेरिका फर्स्ट के नाम पर ऐसी नीतियां बनाई गईं जिनका मकसद प्रतिभा को प्रोत्साहित करना नहीं, बल्कि उसे हतोत्साहित करना था। एच-1बी वीजा पर भारी-भरकम फीस भी उसी मानसिकता का हिस्सा थी। यह शुल्क इतना अधिक था कि इसका उद्देश्य राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि विदेशी पेशेवरों के लिए दरवाजे बंद करना था। अमेरिका को दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और तकनीकी शक्ति बनाने में प्रवासियों और विदेशी प्रतिभाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। सिलिकॉन वैली से लेकर विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों तक, दुनिया भर की प्रतिभाओं ने अमेरिका को आगे बढ़ाया है। भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भी इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। अदालत का फैसला याद दिलाता है कि लोकतंत्र में कानून किसी नेता की राजनीतिक महत्वाकांक्षा से बड़ा होता है। संरक्षणवाद और भय की राजनीति कुछ समय के लिए तालियां बटोर सकती है, लेकिन नवाचार, विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का रास्ता खुलेपन और अवसरों से होकर ही गुजरता है। ट्रंप की यह हार केवल कानूनी नहीं, बल्कि उनकी संकीर्ण सोच की भी हार है।

गाई फायरिंग केस में कोर्ट ने 'खान सर' की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

पटना. एजेंसी

फायरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर आज पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए। सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है। इधर, खान सर की कोचिंग पर हमला मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की जमानत पर भी आज फैसला आ सकता है।

जिमखाना क्लब खाली कराने पर दिल्ली हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

हरी-भरी जगहों को सरकार ले रही, सब घुटकर मर जाएंगे

नई दिल्ली . एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार की दिल्ली जिमखाना क्लब, इंडियन पोलो क्लब और दिल्ली रेस क्लब की मूल्यवान जमीन से जुड़ी योजना पर कड़े सवाल पूछे हैं।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने साफ कहा, प्रदूषण से पहले ही घुट रही दिल्ली की सांसें अब और भी छोटी हो जाएंगी, क्योंकि नई दिल्ली नगर पालिका क्षेत्र की बची-खुची हरी-भरी जगहों को भी सरकार ले रही है। थोड़ी-बहुत सांस लेने की जगह बची है, वह भी चली जाएगी। हम सब घुटकर मर जाएंगे।

जस्टिस कृष्णा ने इंडियन पोलो एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, पोलो क्लब क्यों चाहिए आपको? जिमखाना जैसे हेरिटेज स्ट्रक्चर्स का क्या करेंगे? क्या 20 मंजिला इमारतें बनाएंगे? दिल्ली को क्या बनाना चाहते हैं? पिछले 200 साल में जमीन नहीं चाहिए थी, अब अचानक क्यों? गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 20 मई को जयपुर पोलो ग्राउंड (रेस कोर्स) खाली करने का नोटिस जारी किया था। एसोसिएशन ने पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन स्टे नहीं मिलने पर हाईकोर्ट की शरण ली थी।

हाईकोर्ट ने याचिका का निस्तारण करते हुए पटियाला हाउस कोर्ट को 10 जून तक स्टे एप्लीकेशन का फैसला करने का निर्देश दिया। पोलो क्लब को बीस जून तक खाली किए जाने का नोटिस दिया गया है।

तेहरान पर बड़े हमले रोकने को कहा, अमेरिका-ईरान डील पटरी से उतरने का डर

नेतन्याहू से ट्रम्प बोले- संभलो, वरना अकेले पड़ जाओगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर बड़े हमले न करने की सलाह दी है। ट्रम्प को डर है कि अगर जंग बढ़ी तो अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौता खतरे में पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने उनसे कहा, 'बीबी, संभलकर चलो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।'

ट्रम्प की चिंता है कि इजराइल के हमले अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को पटरी से उतार सकते हैं। उनका मानना है कि दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं। बाद में इजराइल ने भी ईरान के अंदर सीमित हमले किए। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने नेतन्याहू पर दबाव बनाया कि वे तेहरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान न चलाएं। इसके बाद इजराइल आगे की कार्रवाई रोकने पर राजी हो गया, बशर्ते ईरान भी हमले बंद करे। हालांकि नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल जरूरत पड़ने पर फिर कार्रवाई करेगा और ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा।

अमेरिकी सेना का हेलिकॉप्टर होर्मुज के पास क्रैश

अमेरिकी सेना का एक अपाचे हेलिकॉप्टर सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास क्रैश हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार दोनों पायलट मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान घटना की पुष्टि की। ट्रम्प ने कहा है कि हेलिकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण गिरा या किसी हमले का शिकार हुआ। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले पर कल रिपोर्ट जारी की जाएगी। अपाचे हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल छोटे हथियारबंद बोट्स और ड्रोन से होने वाले संभावित खतरों को रोकने के लिए किया जाता है।

राज्यसभा चुनाव... सभी विधायक एयरपोर्ट पहुंचे

क्रॉस वोटिंग का डर : विधायकों को विशेष विमान से बेंगलुरु भेज रही कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में कांग्रेस के कब्जे वाली राज्यसभा सीट पर भाजपा की ओर से उम्मीदवार उतारने से मुकाबला रोचक हो गया है। अब कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का डर सता रहा है। इसलिए वह अपने सभी 62 विधायकों को पार्टी शासित राज्य कर्नाटक शिफ्ट कर रही है। आज कांग्रेस विधायक पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बंगले पर पहुंचे। यहां से अपनी-अपनी गाड़ी से एयरपोर्ट रवाना हुए।

कांग्रेस ने स्टार एयरलाइंस का 72 सीटर विशेष विमान बुक कराया है। इसी विमान से विधायकों को भोपाल एयरपोर्ट से बेंगलुरु ले जाया जाएगा। विमान दोपहर करीब ढाई बजे भोपाल एयरपोर्ट पहुंचेगा।

इससे पहले सोमवार देर शाम नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बंगले पर कांग्रेस विधायकों की बैठक हुई थी। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक सभी विधायकों को यह कहा गया है कि वे अपनी स्वेच्छा से पार्टी के विधायकों के साथ जाने में सहज हैं तो चलें। किसी पर इस बात का दबाव नहीं है कि उन्हें जाना जरूरी है। कुछ विधायकों ने निजी और पारिवारिक कारण बताए हैं।

मेट्रो एंकर

स्टार्टअप 'एसेसली' में दर्जनों टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स को मिल रहा है रोजगार

कभी थे जोमैटो के डिलीवरी बॉय... आज एआई कंपनी के मालिक हैं सूरज

बेंगलुरु. एजेंसी

शहर की व्यस्त सड़कों पर कुछ साल पहले एक युवक फूड डिलीवरी करता था। बारिश हो, गर्मी हो या ट्रैफिक जाम, वह समय पर ऑर्डर पहुंचाने की कोशिश करता था। उस युवक का नाम था सूरज बिस्वास। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़का एक दिन अपनी एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कंपनी खड़ी करेगा और दर्जनों टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स को रोजगार देगा। सूरज की कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की सफलता की कहानी नहीं है। यह उन लाखों युवाओं की कहानी है जो सीमित साधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

साल 2020-21 में सूरज कॉलेज की पढ़ाई कर रहे थे। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। पढ़ाई का खर्च निकालना आसान नहीं था। ऐसे में उन्होंने ज़ोमैटो में डिलीवरी पार्टनर के रूप में काम शुरू किया। इस काम से उन्हें हर महीने लगभग 40 हजार रुपये की आय हो जाती थी। इसी पैसे से वे अपनी कॉलेज फीस भरते थे और अपने भविष्य के सपनों के लिए भी बचत करते थे।

लेकिन सूरज की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे केवल कमाई तक सीमित नहीं रहे। डिलीवरी का काम करने के बाद जो समय बचता, उसमें वे नई तकनीक सीखते थे। उन्होंने किसी महंगे संस्थान में दाखिला नहीं लिया। उनका शिक्षक इंटरनेट था। ऑनलाइन वीडियो, ट्यूटोरियल, ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म और डेवलपर्स के ऑनलाइन समूहों से उन्होंने कोडिंग सीखना शुरू किया। सूरज का मानना था कि अगर सीखने की भूख बनी रहे तो इंसान अपनी जिंदगी बदल सकता है। यही सोच उन्हें आगे बढ़ाती रही। धीरे-धीरे उन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक टेक स्टार्टअप शुरू किया। शुरुआत इतनी साधारण थी कि चार दोस्तों का पहला ऑफिस एक खेल का मैदान था। वहीं बैठकर वे योजनाएं बनाते, कोड लिखते और भविष्य के सपने देखते थे। आज वही स्टार्टअप एसेसली के नाम से जाना जाता है। यह एक डीप-टेक एआई कंपनी है, जिसके बेंगलुरु और कोलकाता में ऑफिस हैं। कंपनी में 40 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञ काम कर रहे हैं। स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिल चुकी है और इसे दुनिया के प्रमुख एआई स्टार्टअप्स में शामिल किया गया है।

लक्ष्य पर टिके रहना अहम

सूरज आज भी अपने डिलीवरी बॉय वाले दिनों को नहीं भूले हैं। इस साल उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर ज़ोमैटो और उसके संस्थापक दीपेंद्र गोयल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि डिलीवरी का काम उनके लिए सिर्फ नौकरी नहीं था, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का रास्ता था। सूरज मानते हैं कि आज के दौर में स्मार्टफोन, इंटरनेट और सीखने की इच्छा किसी भी युवा की जिंदगी बदल सकती है। उनका कहना है कि सफलता के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती। मेहनत, लगातार सीखना और अपने लक्ष्य पर टिके रहना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनकी कहानी यह भी बताती है कि डिजिटल भारत में अवसर केवल बड़े शहरों या बड़े परिवारों तक सीमित नहीं हैं। अब कोई भी युवा, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कैसी भी हो, तकनीक के दम पर अपनी पहचान बना सकता है।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में लापरवाही

बिना पंखे-रोशनी के परीक्षा देने को मजबूर हुए छात्र, केबल कटने से 5 दिन से बत्ती गुल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में छात्रावासों में पानी की समस्या के बाद अब बिजली संकट ने विद्यार्थियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विश्वविद्यालय के कई विभागों में पिछले पांच दिनों से बिजली आपूर्ति ठप है, जिससे विशेष रूप से परीक्षार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वर्तमान में यूआईटी की प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की परीक्षाएं चल रही हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि गर्मी और उमस के कारण परीक्षा कक्षों में बैठना मुश्किल हो रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिना पंखों और पर्याप्त रोशनी के अभाव में परीक्षा देने के लिए मजबूर विद्यार्थी प्रशासनिक व्यवस्था पर नाराजगी जता रहे हैं।

बीते चार दिनों से ऑटोमोबाइल, एनर्जी, पेट्रोकेमिकल, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय से जुड़े विभागों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई थी। सोमवार को यूआईटी के मेन ब्लॉक में स्थित प्रशासनिक भवन, इलेक्ट्रिकल विभाग, परीक्षा विभाग में बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाई है। इन भवनों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिससे गर्मी में विद्यार्थियों को परीक्षा देने में परेशानी हुई।

जेसीबी से खुदाई के दौरान कटी अंडरग्राउंड केबल

अधिकारियों ने बताया कि आरजीपीवी परिसर में वन विभाग द्वारा पौधरोपण के लिए जेसीबी मशीन से खुदाई कराई जा रही थी। इसी दौरान यूआईटी के पीछे स्थित कई विभागों की अंडरग्राउंड बिजली केबल क्षतिग्रस्त हो गई है। हालांकि खुदाई कार्य रुकवा दिया गया है, जिससे कुछ विभागों में दोपहर बाद बिजली बहाल हो गई।

परीक्षार्थियों पर सबसे ज्यादा असर

वर्तमान में यूआईटी की प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की परीक्षाएं चल रही हैं, जिनमें करीब 1,800 विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि गर्मी और उमस के कारण परीक्षा कक्षों में बैठना मुश्किल हो रहा है। विद्यार्थियों का कहना है कि यदि जल्द बिजली व्यवस्था बहाल नहीं होती है तो परीक्षाएं स्थगित की जानी चाहिए। आरजीपीवी डायरेक्टर प्रो. सुधीर सिंह भदौरिया ने बताया कि विवि के कुछ विभागों में सोमवार को बिजली व्यवस्था ठीक हो गई है। अब भी यूआईटी के मेन ब्लॉक में केबल फॉल्ट होने के कारण बिजली बहाल नहीं हो पाई है। इससे इलेक्ट्रिकल, परीक्षा विभाग और प्रशासनिक भवन में बिजली व्यवस्था ठीक नहीं हो पाई है।

भोपाल का भौगोलिक और व्यावसायिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा

हाउस लिस्टिंग के आंकड़ों में दिखी शहर की ग्रोथ, कटारा-कोलार में सबसे ज्यादा निवेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

करोंद में 35 फीसदी भवन कमर्शियल

जनगणना के तहत हो रही हाउस लिस्टिंग के आंकड़े बताते हैं कि भोपाल का भौगोलिक और व्यावसायिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। पुराने और मध्य भोपाल में जहां नए निर्माण की जगह सीमित हो चुकी है, वहीं शहर के बाहरी और नए विकसित हो रहे इलाकों में निवेशकों ने भविष्य की संभावनाओं को भांपते हुए बड़े पैमाने पर पूंजी लगाई है।

सभी 85 वार्ड के आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण बताता है कि शहर में 'इन्वेस्टमेंट प्रॉपर्टी' का ट्रेंड किस तेजी से बढ़ा है और व्यावसायिक गतिविधियां किन नए कॉरिडोर्स की तरफ शिफ्ट हो रही हैं। हाउस लिस्टिंग के मोटे-मोटे आकलन के अनुसार शहर में कुल 7.38 लाख प्रॉपर्टी में से 1 लाख से ज्यादा मकान या फ्लैट खाली हैं। यानी यहां कोई रहता नहीं है। शहर में 5 लाख लाख से ज्यादा रहवासी घरों में करीब 25 लाख की जनसंख्या की गणना की गई है। खाली पड़े मकानों और उनके प्रतिशत को देखें, तो बाहरी व नए विस्तार वाले क्षेत्रों में लोगों ने रहने के बजाय शुद्ध निवेश के मकसद से संपत्तियां खरीदी हैं।

कटारा और कान्हा कुंज: निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। यहां करीब 24त्न मकान खाली हैं। यानी भविष्य की जरूरतों और रिटर्न के लिए यहां सबसे ज्यादा पैसा लगाया है। यहां करीब 19त्न मकान खाली हैं। बायपास और हाईवे से कनेक्टिविटी के कारण यह निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है।

कोलार रोड दानिश कुंज: कोलार दूसरे नंबर पर है, जहां करीब 21त्न मकान खाली पड़े हैं। कोलार का यह हिस्सा भविष्य में बड़े रिहायशी हब के रूप में पूरी तरह तैयार हो रहा है।

खजूरी कला और बरखेड़ा पठानी: इस क्षेत्र में भी 18त्न खाली मकानों का होना यह बताता है कि शहर का पूर्वी हिस्सा भी निवेशकों को तेजी से आकर्षित कर रहा है।

एयरपोर्ट रोड और गांधीनगर: हवाई अड्डे के आसपास के इस बेल्ट में 17त्न मकान खाली हैं, जो भविष्य के विकास को देखते हुए किए गए निवेश को दर्शाते हैं।

शहर के इन क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा व्यापार: करोंद और इब्राहिम गंज - यहां करीब 55 प्रतिशत भवनों का उपयोग कमर्शियल हो रहा है। यहां खाली मकान सबसे कम (करीब 6त्न) हैं, यानी यह पूरी तरह से व्यस्त और स्थापित बाजार है। महारानी लक्ष्मी बाई, इंदिरा गांधी, आशा निकेतन, गुलमोहर - यहां पर करीब 35 प्रतिशत भवन कमर्शियल हैं।

मिसरोद और बागसेवनिया – यहां भारी निवेश के साथ कमर्शियल गतिविधियां मकानों में तेजी से बड़ी हैं। यहां 20त्न से ज्यादा प्रॉपर्टी कमर्शियल है। यह शहर का सबसे बड़ा जोन है। यह क्षेत्र रहवासी निवेश और बिजनेस एक्टिविटी दोनों का संयुक्त पावर-सेंटर बन चुका है।

पीएचई विभाग में प्रस्तावित पदोन्नति पर अजाक्स ने उठाए सवाल, मुख्यमंत्री से की शिकायत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग में प्रस्तावित पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर मध्यप्रदेश अजाक्स ने आपत्ति दर्ज कराई है। संगठन के प्रांताध्यक्ष चौधरी मुकेश मौर्य ने मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

मौर्य ने आरोप लगाया कि विभाग में वर्ष 2014 की स्थिति के आधार पर भूतलक्षी प्रभाव (रेट्रोस्पेक्टिव इफेक्ट) से पदोन्नति देने की तैयारी की जा रही है, जबकि संबंधित मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। उनका कहना है कि इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने 18 फरवरी 2026 को अपना अभिमत दिया था, लेकिन कथित तौर पर उस अभिमत और अन्य तथ्यों को छिपाकर पदोन्नति समिति (डीपीसी) की कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

अजाक्स का दावा है कि यदि इस प्रकार की पदोन्नति को मंजूरी मिलती है तो भविष्य में अन्य विभागों के कर्मचारी भी पिछली तिथियों से पदोन्नति की मांग कर सकते हैं, जिससे राज्य सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा और न्यायालयीन विवादों की संख्या भी बढ़ सकती है।

संगठन ने यह भी आरोप लगाया है कि लोक सेवा आयोग द्वारा पूर्व में इस मामले पर आपत्तियां दर्ज की जा चुकी हैं। इसके बावजूद प्रकरण को फिर से विचारार्थ भेजा गया है। बताया जा रहा है कि आयोग में 9 जून को इस मामले पर विचार होने की संभावना है।

अजाक्स ने मुख्यमंत्री से पूरे मामले की जांच कराने, पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगाने तथा यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इससे शासन और प्रशासन की पारदर्शिता बनी रहेगी तथा भविष्य में ऐसी स्थितियों की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

जल भराव...

भोपाल। हल्की बारिश के बाद ही शहर में जगह-जगह जलभराव हो गया है।

एमपीपीएससी में गगन नागर का चयन

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी पीसीएस फाइनल परीक्षा-2024 में गगन नागर ने सफलता प्राप्त की है। वे कुरावर के धार्मिक संत पंडित नरेंद्र नागर के पुत्र हैं। पुत्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पंडित नरेंद्र नागर ने कहा कि यह वर्षों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने मानवता की सेवा का अवसर प्रदान किया है और सभी शुभचिंतकों, अनुयायियों तथा परिवारजनों के सहयोग से गगन ने यह मुकाम हासिल किया है। गगन नागर की सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उज्जवल भविष्य निर्माण शिविर में बच्चों ने बताए मोबाइल के दुष्परिणाम

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

आशारामजी आश्रम, गांधीनगर में श्री योग वेदांत सेवा समिति के बाल संस्कार विभाग द्वारा आयोजित तीन-दिवसीय आवासीय विद्यार्थी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

शिविर के दौरान बाल संस्कार विभाग के प्रभारियों ने बच्चों को आदर्श दिनचर्या, योगासन, प्राणायाम, शुद्ध सात्विक खानपान और सनातन संस्कृति के उच्च संस्कारों से अवगत कराया। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने की युक्तियाँ और बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के विभिन्न प्रयोग भी सिखाए गए। अहमदाबाद से आए मुख्य वक्ताओं, कमलेश भाई और इंद्रप्रकाश भाई ने अपने प्रेरक विचारों से बच्चों का मार्गदर्शन किया।

नो मोबाइल संकल्प और पुरस्कार वितरण: शिविर का मुख्य आकर्षण मोबाइल फोन के दुष्परिणामों पर आधारित एक प्रभावी नाटिका रही। इससे प्रेरित होकर सभी विद्यार्थियों ने मोबाइल का उपयोग न्यूनतम करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को समिति के वरिष्ठ सदस्यों, युवा सेवा संघ के प्रभारियों और महिला मंडल द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। आश्रम के हरीश मेहरचंदानी ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष गर्मियों की छुट्टियों में पूरे भारत के सभी 450 आश्रमों में शिविरों का आयोजन किया जाता है।

नवीन शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ और शिक्षक मार्गदर्शन सत्र

बच्चों को डांटे नहीं, संवाद से उनकी समस्याओं का करें टीचर्स समाधान : सिद्धभाऊ

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालानी शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों के लिए नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शनपरक सत्र के साथ हुआ, संस्था के प्रमुख सिद्धभाऊजी ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के सामने अपनी बात रखी।

भाऊजी ने कहा कि बच्चों को डाँटने के स्थान पर संवाद, परामर्श एवं संवेदनशीलता के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान करें। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षकों से अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में आयोजित होने वाले संस्कार-सत्र विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक का सीखना कभी समाप्त नहीं होता, इसलिए प्रत्येक शिक्षक को समयानुसार स्वयं को विकसित करते हुए विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनना चाहिए।

सकारात्मक सोच, टीम भावना व सामूहिक प्रयास

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य ए. एन. मणिकंडन, नवनिध की प्राचार्या अमृता मोटवानी, चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल की प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा और विद्यासागर पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने कहा कि परिवर्तन जीवन का आवश्यक अंग है और हमें सदैव सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अंजू गोगिया तथा दिव्या कृपलानी आभार प्रदर्शन किया गया।

रसोई में चूहे! कोर्टयार्ड बाय मैरियट का फूड लाइसेंस सस्पेंड

शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग-अलग रखने के नियमों का पालन नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के नामी होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट पर बड़ी कार्रवाई हुई है। रसोई में चूहे मिलने की शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने जब औचक निरीक्षण किया, तो कई गंभीर खामियां सामने आईं। हालात इतने खराब पाए गए कि प्रशासन को सख्त कदम उठाते हुए होटल का फूड लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित करना पड़ा। इस कार्रवाई के बाद होटल प्रबंधन में हड़कंप मच गया है।

शिकायत सामने आने पर राज्य और केंद्र की खाद्य सुरक्षा टीम ने डीबी सिटी, अरेरा हिल्स स्थित होटल परिसर में अचानक जांच की जिसमें कई अनियमितताएं पकड़ में आईं। जांच के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि होटल के किचन और स्टोरेज एरिया में चूहों की मौजूदगी पाई गई। यही नहीं, होटल के पेस्ट कंट्रोल रिकॉर्ड में भी चूहों की समस्या दर्ज थी, जिससे साफ हुआ कि यह समस्या पहले से मौजूद थी। निरीक्षण टीम को होटल की रसोइयों में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब मिली। कई जगहों पर गंदगी और अव्यवस्था थी जो स्वास्थ्य मानकों के खिलाफ है। यह लापरवाही सीधे तौर पर खाने की गुणवत्ता पर असर डाल सकती है।

जांच में यह भी सामने आया कि शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग-अलग रखने के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। दोनों तरह का खाना एक साथ असुरक्षित तरीके से रखा गया था, जिससे दूषण का खतरा बढ़ गया। खाद्य सामग्री का भंडारण भी तय मानकों के अनुसार नहीं पाया गया। स्टोरेज की व्यवस्था खराब होने के कारण खाने के खराब या दूषित होने की आशंका बढ़ गई थी। होटल का सेंट्रल लाइसेंस निलंबित करते हुए खाने-पीने से जुड़ी सभी सेवाएं रोक दी गई हैं। प्रशासन ने साफ कहा है कि जनता के स्वास्थ्य से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मेट्रो एंकर संत हिरदाराम नगर और गांधीनगर क्षेत्र में बरसात पूर्व तैयारियों की समीक्षा, विधायक बोले

मानसून से पहले व्यवस्थाएं ठीक करें अधिकारी, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर और गांधीनगर क्षेत्र में मानसून से पहले तैयारियो को लेकर के विधायक रामेश्वर शर्मा ने बैठक ली, जिसमें मानसून पूर्व की तैयारियों, विकास कार्यों और जनसुविधाओं से जुड़े प्रोजेक्ट्स की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने की हिदायत दी।

विधायक ने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े नालों की सफाई का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था ऐसी हो जिससे तेज बारिश के दौरान कहीं भी जलभराव (वॉटर लॉगिंग) की स्थिति न बने और नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। क्षेत्र में चल रहे सिक्स-लेन फ्लाईओवर और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए विधायक ने कहा कि निर्माण के दौरान निकलने वाली मिट्टी को निर्धारित स्थानों पर ही नियमों के तहत डंप किया जाए। सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर मिट्टी और निर्माण सामग्री के ढेर लगाने से यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। उन्होंने बोरबन रोड पर जमा मिट्टी को तत्काल हटाने और वहां के नालों को साफ करने के कड़े निर्देश दिए। विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि आंधी और भारी बारिश के दौरान भी बिजली की सप्लाई सुचारू रहनी चाहिए। इसके लिए बिजली कंपनी पहले से ही संवेदनशील इलाकों का सर्वे कर मेंटेनेंस का काम पूरा करे। इसके साथ ही, उन्होंने अंधेरे वाले और मुख्य मार्गों पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का व्यापक सर्वे करवाकर उन्हें प्राथमिकता से चालू करने को कहा, ताकि रात के समय आवागमन सुरक्षित रहे।

अतिक्रमण के खिलाफ अभियान

क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए विधायक ने अतिक्रमण की समस्या पर चिंता जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया जिन सड़कों और बाजारों में अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बनती है, वहां विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। आम जनता को सुरक्षित और साफ रास्ता देना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। बैठक में नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, बिजली कंपनी और अन्य संबंधित विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे।

सभी विभाग समंवय से काम करें

मानसून के दौरान जनता को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। नालों की सफाई, बिजली, अतिक्रमण और अन्य जनसुविधाओं के काम डेडलाइन के भीतर पूरे हों। विकास कार्यों और जनता की सहूलियत में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जयपुर में छिपा था कफ सिरप तस्करी का आरोपी, बैतूल आते ही एसटीएफ ने दबोचा

भोपाल। 49,920 ऑनरेक्स कफ सिरप की बरामदगी मामले में फरार चल रहे 30 हजार रुपए के इनामी आरोपी अर्जुन मालवीय उर्फ निखिल को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए जयपुर भाग गया था, लेकिन एक परिचित से मिलने बैतूल पहुंचते ही एसटीएफ की टीम ने उसे पकड़ लिया। एसपी एसटीएफ भोपाल राजेश सिंह भदौरिया के अनुसार गांधी नगर इलाके में चल रही अवैध कफ सिरप फैक्ट्री के खुलासे के बाद अर्जुन का नाम जांच में सामने आया था। एसटीएफ उसकी लोकेशन और संपर्कों की निगरानी कर रही थी। जांच में पता चला कि बागसेवनिया स्थित सुरेंद्र पैलेस में अर्जुन ट्रेडर्स के नाम से ड्रग लाइसेंस लिया था। इसी लाइसेंस के माध्यम से ऑनरेक्स कफ सिरप की खरीद-बिक्री के दस्तावेज तैयार किए जा रहे थे।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट में मप्र को लेकर बड़ा खुलासा

लड़कियों से ज्यादा लड़कों के बाल विवाह, हर 100 में से 25 की कम उम्र में शादी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में बाल विवाह की तस्वीर अब सिर्फ लड़कियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक नया और ज्यादा चिंताजनक ट्रेंड सामने आ गया है। कम उम्र में शादी करने वाले लड़कों की संख्या लड़कियों से भी आगे निकल गई है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-6) के ताजा आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में हर 100 में से 25 पुरुष 21 साल की कानूनी उम्र से पहले ही शादी के बंधन में बंध रहे हैं, जबकि 18 साल से पहले शादी करने वाली महिलाओं का आंकड़ा 20 फीसदी है। यह स्थिति इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पुरुषों का यह प्रतिशत राष्ट्रीय औसत 15.9 फीसदी से करीब 9 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, पिछले चार सालों में इसमें कुछ गिरावट जरूर आई है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में हालात अब भी बेहद चिंताजनक बने हुए हैं, जहां परंपरा और सामाजिक दबाव मिलकर कम उम्र में ही शादी को मजबूरी बना रहे हैं।

स्कूल की घंटी की जगह बज रही है शहनाई

मध्यप्रदेश में 10वीं तक पढ़ाई पूरी करने वाली महिलाओं का आंकड़ा सिर्फ 33.7 फीसदी है, जबकि 20 फीसदी बेटियों की शादी 18 साल से पहले हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और चिंताजनक है। 23.4फीसदी लड़कियों का बाल विवाह हो रहा है और केवल 26 फीसदी ही 10वीं तक पहुंच पाती हैं। पुरुषों में भी 25फीसदी की शादी 21 वर्ष की कानूनी उम्र से पहले हो जाती है, जबकि 10 साल या उससे अधिक पढ़ने वालों का अनुपात महज 42त्न है। आंकड़े बताते हैं कि पढ़ाई छूटते ही कम उम्र में विवाह का दबाव बढ़ जाता है और कई घरों में स्कूल की घंटी पूरी बजने से पहले ही शहनाई गूंजने लगती है।

महिलाओं में राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति

बाल विवाह के मोर्चे पर महिलाओं के मामले में मध्यप्रदेश ने पिछले चार वर्षों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। ताजा एनएफएचएस-6 रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश की 20 फीसदी महिलाओं की शादी 18 वर्ष की कानूनी उम्र से पहले हुई, जबकि चार साल पहले यह आंकड़ा 23.1त्न था। यानी इस अवधि में 3.1 प्रतिशत अंक की कमी आई है। खास बात यह है कि महिलाओं के बाल विवाह के मामले में मध्यप्रदेश अब राष्ट्रीय औसत 20.1 फीसदी से भी थोड़ा बेहतर स्थिति में पहुंच गया है। हालांकि हर पांच में से एक लड़की का कम उम्र में विवाह होना अब भी गंभीर सामाजिक चुनौती है, लेकिन आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि शिक्षा का असर जमीन पर दिखाई देने लगा है।

गांव की अपेक्षा शहरों में बेटियां कम बन रहीं बालिका वधु

प्रदेश में बाल विवाह की समस्या का सबसे गहरा असर ग्रामीण इलाकों में है, जहां कम उम्र में शादी आज भी सामाजिक परंपरा के रूप में कायम है। एनएफएचएस-6 के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में 28 फीसदी पुरुषों की शादी कानूनी उम्र से पहले हो जाती है, जबकि शहरी इलाकों में यह आंकड़ा 16.2त्न है। महिलाओं के मामले में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच अंतर और भी बड़ा है। गांवों में 23.4 फीसदी महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हो जाता है, जबकि शहरों में यह प्रतिशत घटकर केवल 9 रह जाता है।

बाल विवाह रोकना सबकी जिम्मेदारी

बाल विवाह कानूनन अपराध है। देश में विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। इससे कम उम्र में विवाह कराना बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत दंडनीय है, जिसमें माता-पिता, रिश्तेदार और विवाह कराने वालों तक को जेल व जुर्माने की सजा हो सकती है। आसपास कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर जानकारी दें। महिलाओं की सहायता और शिकायत के लिए महिला हेल्पलाइन 181 भी उपलब्ध है।

मध्यप्रदेश बन रहा फार्मा हब, मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल भूमि-पूजन

पीथमपुर में हेलियन ग्रुप की 2000 करोड़ की यूनिट, एक हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

पीथमपुर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश ने एक बार फिर औद्योगिक विकास के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज ÷फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड÷ बन चुका है और इसमें मध्यप्रदेश की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। इसी कड़ी में धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में हेलियन ग्रुप की पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का वर्चुअल भूमि-पूजन किया गया।

करीब 2000 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने जा रही इस अत्याधुनिक यूनिट से लगभग 1000 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर परियोजना का प्रतीकात्मक भूमि-पूजन किया और इसे राज्य के औद्योगिक विकास के नए युग की शुरुआत बताया।

निवेश के लिए ÷नया मध्यप्रदेश÷, उद्योगों का बढ़ता भरोसा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब तेजी से आत्मनिर्भर और निवेश-अनुकूल राज्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पारदर्शी और उद्योग-हितैषी नीतियों के कारण देश-विदेश की कंपनियां लगातार यहां निवेश के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने हेलियन ग्रुप के निर्णय को ÷विश्वास और संभावनाओं की नई शुरुआत÷ बताते हुए कहा कि पीथमपुर का चयन इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश अब ग्लोबल कंपनियों के लिए एक भरोसेमंद उत्पादन केंद्र बन चुका है।

पीथमपुर बनेगा फार्मा मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र

हेलियन ग्रुप की यह यूनिट लगभग 40 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। यह इकाई मुख्य रूप से ओरल हेल्थ प्रोडक्ट्स का उत्पादन करेगी, जो भारत के साथ-साथ एशिया-प्रशांत, मध्य-पूर्व और अफ्रीका के देशों में निर्यात किए जाएंगे। प्रदेश में पहले से ही इंदौर, मंडीदीप, देवास, उज्जैन और भोपाल जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में फार्मा क्लस्टर विकसित हो रहे हैं। वर्तमान में मध्यप्रदेश में 300 से अधिक फार्मा कंपनियां, 30 से अधिक एपीआई और बल्क ड्रग्स निर्माता तथा 75 से अधिक मेडिकल डिवाइस यूनिट्स सक्रिय हैं। राज्य का फार्मा सेक्टर कुल निर्यात में लगभग 20 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जिससे मध्यप्रदेश अब एक स्थापित ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में पहचाना जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने इस परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी द्वारा 30 प्रतिशत महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य सरकार के महिला सशक्तिकरण अभियान को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि यह निवेश केवल उद्योग नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम भी बनेगा। हेलियन ग्रुप के सीईओ ने कहा कि यह भारत में उनकी पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है और वे मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी ने अब तक 175 मिलियन पाउंड्स का निवेश किया है और आगे विस्तार की योजना भी है। कंपनी के अनुसार, यह यूनिट उनकी ग्लोबल सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगी और भारत को वैश्विक उत्पादन नेटवर्क से और मजबूती से जोड़ेगी।

भविष्य की बड़ी संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में यह निवेश 2000 करोड़ से बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के यूके इन्वेस्टमेंट रोड शो के दौरान जो निवेश संवाद शुरू हुआ था, वह आज ठोस परिणाम के रूप में सामने आया है। पीथमपुर में हेलियन ग्रुप की यह यूनिट न केवल मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति देगी, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। यह परियोजना स्पष्ट संकेत देती है कि मध्यप्रदेश अब केवल उत्पादन केंद्र नहीं, बल्कि वैश्विक फार्मा उद्योग का एक मजबूत स्तंभ बन रहा है।

विसचुनाव के पहले बने जिलों में अब जिला पंचायत

अगले साल होंगे पंचायत चुनाव मऊगंज, पांढुर्ना और मैहर में चुने जाएंगे जिपं अध्यक्ष, उपाध्यक्ष

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव 2023 के पहले अस्तित्व में आए प्रदेश के तीन जिले अब जिला पंचायत चुनाव के लिए तैयार होंगे। इन जिलों में अगले साल होने वाले जिला पंचायत और जनपद पंचायत के चुनाव कराए जाएंगे। इसके पहले सरकार ने नवगठित जिलों में जिला पंचायत गठन को मंजूरी देकर अधिसूचना जारी कर दी है। ये तीन नए जिले मऊगंज, पांढुर्ना और मैहर हैं, जिनके गठन के करीब ढाई साल के अंतराल के बाद जिला पंचायत दफ्तर भी यहां खोलने का फैसला हुआ है।

प्रदेश के नए जिलों में मऊगंज 15 अगस्त 2023 को रीवा से अलग होकर प्रदेश का 53 वां जिला, पांढुर्ना और मैहर 5 अक्टूबर 2023 को छिंदवाड़ा और सतना से अलग होकर 54वें व 55 वें जिले बने थे। नए जिले बनने के बाद भी इन जिलों के ग्रामीण अंचलों के निवासी प्रशासनिक और विकास कार्यों के लिए पुराने जिलों की जिला पंचायतों पर ही निर्भर थे। अब जिला पंचायत के लिए नोटिफिकेशन होने के बाद इन नए जिलों की जिला पंचायतों के लिए अगले साल पहली बार चुनाव होंगे।

मऊगंज में जिला पंचायत का काम अब तक रीवा, मैहर का सतना और पांढुर्ना का छिंदवाड़ा जिला पंचायतों के जरिए संचालित हो रहा था। नए जिले में जिला पंचायत के गठन में देरी का मुख्य कारण पुनर्सीमांकन (डीलिमिटेशन) और आरक्षण की लंबी प्रक्रिया का होना है। नया जिला घोषित होने के बाद प्रशासनिक और भौगोलिक सीमाओं को फिर से तय करना होता है, जिसके कारण पंचायत चुनाव और जिला पंचायत की स्थापना में समय लगता है। नए जिले के निर्माण के साथ ही गांवों और क्षेत्रों की सीमाएं बदल जाती हैं। ऐसे में यह तय करना होता है कि कौन सी ग्राम पंचायत किस जनपद (ब्लॉक) और किस नए जिला पंचायत के अंतर्गत आएगी।

जिला पंचायतों के लिए अपडेट हो रही वोटर लिस्ट

राज्य निर्वाचन आयोग नगरीय निकायों और जिला पंचायतों के लिए प्रदेश की मतदाता सूची को अंतिम रूप देने में जुटा है और 18 जुलाई को फाइनल मतदाता सूची जारी होगी। इसके बाद नए जिलों में पहली बार जिला पंचायत का गठन कराने के लिए चुनाव की तारीखें तय की जाएंगी। इसके एक जनवरी 2027 की तारीख में अंतिम मतदाता सूची तैयार होगी ताकि दिसम्बर 2027 के पहले होने वाले पंचायत चुनाव में इन जिलों में जिला पंचायत के चुनाव कराए जा सकें।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी डिसेबिलिटी के खिलाफ भोपाल के युवाओं की जंग

तैयार किया कर्णबधिर बच्चों के लिए देश का पहला फ्री एआई प्लेटफॉर्म, 21 राज्यों 30 हजार बच्चों तक बनाई पहुंच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दुनिया में बधिरता दूसरी सबसे बड़ी दिव्यांगता मानी जाती है। आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में करीब 34 लाख और भारत में 20 लाख से अधिक बच्चे श्रवण बाधित (कर्णबधिर) हैं। ऐसे बच्चों के सामने सबसे बड़ी चुनौती गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा की होती है। रुपये तक का योगदान दिया, जबकि अन्य ग्रामीणों ने अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग किया। कुछ लोगों ने नकद राशि दी तो कुछ ने डीजल, मशीन और अन्य संसाधनों की व्यवस्था में मदद की।

एकत्र किए गए चंदे से जेसीबी मशीन बुलाकर पहाड़ी क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य शुरू किया गया। जेसीबी की सहायता से मार्ग की सफाई, समतलीकरण और बड़े पत्थरों को हटाने का कार्य किया जा रहा है। दूसरी ओर ग्रामीण फावड़े, कुदाल और तसलों के साथ श्रमदान कर रहे हैं। युवाओं ने दो टीमें बनाई हैं, जिनमें प्रतिदिन 35 से 40 ग्रामीण सड़क निर्माण में भाग ले रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से लगातार कार्य जारी है और अब तक लगभग आधा किलोमीटर सड़क तैयार हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि शेष डेढ़

महिलाओं की भागीदारी और पक्की सड़क की मांग

ग्रामीण साजिया ने बताया कि कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद गांव वालों ने चंदा इकट्ठा कर जेसीबी लगाई और स्वयं सड़क निर्माण शुरू किया। वहीं रोमा बाई ने कहा कि बरसात के समय रास्ता बंद हो जाता था, जिससे बच्चों की पढ़ाई और मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भारी दिक्कत होती थी। इसी कारण ग्रामीणों ने मिलकर सड़क बनाने का निर्णय लिया। सड़क निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिल रही है। कई महिलाएं श्रमदान के साथ कार्यरत लोगों के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था संभाल रही हैं। ग्रामीण मोहन और अन्य ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से विद्यार्थियों, किसानों और मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा। गांव के युवाओं ने इस पहल को जनआंदोलन का स्वरूप दे दिया है तथा गांव से बाहर रहने वाले लोगों ने भी आर्थिक सहयोग भेजा है।

7.63 लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण शीर्ष राज्यों में शामिल मप्र

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर यह सिद्ध कर दिया है कि जनभागीदारी, स्वास्थ्य अमले की प्रतिबद्धता और प्रभावी नेतृत्व के बल पर बड़े से बड़े जनस्वास्थ्य अभियानों को समय से पहले सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने अभियान से जुड़े चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ, जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सफलता के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाकर सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भ्रष्टाचार पर केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार का सख्त रुख

सभागार में घटिया काम देख बिना फीता काटे ही लौटे वापस

टीकमगढ़, दोपहर मेट्रो

सरकारी धन के दुरुपयोग और निर्माण कार्यों में लापरवाही के खिलाफ केंद्रीय मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार ने कड़ा रुख अपनाया है। लिधौरा ताल में अपनी सांसद निधि से निर्मित अटल सभागार का लोकार्पण करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने जब वहां का घटिया निर्माण देखा, तो वे भड़क गए। उद्घाटन से पहले ही उखड़े फर्श और दीवारों में दरारें देखकर मंत्री ने गहरी नाराजगी जताई और बिना फीता काटे ही कार्यक्रम स्थल से वापस लौट गए।

गौरतलब है कि तय कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को केंद्रीय मंत्री डं. वीरेंद्र कुमार मुख्य अतिथि के रूप में नवनिर्मित अटल सभागार पहुंचे थे। उन्होंने सभागार के भीतर बैठकर विधि-विधान से पूजन तो किया, लेकिन जब उनकी नजर चारों तरफ बिखरी बदहाली पर पड़ी, तो उन्होंने उद्घाटन करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि जनता के पैसे की इस तरह बर्बादी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कोटा स्टोन गायब, सीढ़ियों में दिखीं दरारें

सांसद निधि से लगभग 10 लाख रुपये की लागत से सार्वजनिक उपयोग के लिए तैयार किए गए इस सभागार के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी विभाग को दी गई थी। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने पाया कि स्वीकृत मापदंडों के अनुसार सभागार के फर्श पर कोटा स्टोन लगाया जाना था, लेकिन उसकी जगह सिर्फ घटिया सीमेंट का फर्श बना दिया गया। सीमेंट फर्श उद्घाटन से पहले ही कई स्थानों पर उखड़ चुका था। इसके अलावा भवन की सीढ़ियों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी और उनमें जगह-जगह दरारें दिखाई दे रही थीं।

मेट्रो एंकर | संजय गांधी थर्मल पॉवर स्टेशन का शिखर प्रदर्शन

यूनिट-3 ने लगातार 100 दिन बिजली उत्पादन कर रचा इतिहास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के संजय गांधी थर्मल पॉवर स्टेशन बिरसिंगपुर ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। स्टेशन की यूनिट नंबर 3 ने बीते 27 फरवरी से बिना रुके लगातार 100 दिनों तक बिजली पैदा करने का स्वर्णिम आंकड़ा छू लिया है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान भी कंपनी की कुल 13 उत्पादन इकाइयों ने 100 से अधिक दिनों तक लगातार निर्बाध बिजली उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया था। इस शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में अकेले संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर का दबदबा रहा; जहां इसी यूनिट-3 ने पहले भी एक बार यह मुकाम हासिल किया था, वहीं स्टेशन की यूनिट-4 दो बार और यूनिट-5 ने एक बार इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपने नाम दर्ज कराया था। इस रिकॉर्ड परिचालन अवधि के दौरान यूनिट ने 89.18 प्रतिशत का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर बनाए रखा, जो बिजली उत्पादन के लिए इस इकाई की उच्च उपलब्धता और तकनीकी मजबूती को प्रमाणित करता है। इसके साथ ही, इकाई ने 80.07 प्रतिशत का प्लांट लोड फैक्टर दर्ज कर अपनी वास्तविक उत्पादन क्षमता के कुशल उपयोग का लोहा मनवाया। ऊर्जा दक्षता के मोर्चे पर भी प्रबंधन का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा, जहां आंतरिक सहायक विद्युत खपत को महज 9.17 प्रतिशत पर सीमित रखकर बिजली की बड़ी बचत की गई।

उत्पादन इकाइयाँ उच्चतम विश्वसनीयता के साथ काम करने में सक्षम

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने इस गौरवमयी उपलब्धि पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे इंजीनियरों और तकनीकी टीम ने उत्कृष्ट संधारण और कुशल संचालन के दम पर बार-बार यह साबित किया है कि कंपनी की बिजली उत्पादन इकाइयाँ उच्चतम विश्वसनीयता के साथ काम करने में पूरी तरह सक्षम हैं। यही वजह है कि हमारी इकाइयाँ लगातार राष्ट्रीय स्तर के कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं और उत्कृष्ट प्रदर्शन का एक बेहद मजबूत रिकॉर्ड बना रही हैं। उन्होंने कहा यह उपलब्धि तकनीकी कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों की सतत निगरानी, समर्पण तथा समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण संधारण का परिणाम है। डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम ने कहा कि यह सफलता पूरी टीम के आपसी तालमेल, सक्रिय कार्यप्रणाली और संकट के समय त्वरित फैसलों का नतीजा है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे सभी विद्युत गृह भविष्य में भी प्रदेश को निर्बाध और भरोसेमंद बिजली देने में हमेशा आगे रहेंगे।

आंकड़ों की चमक और सच

अर्थव्यवस्था केवल ग्राफ, प्रतिशत और सरकारी रिपोर्टों का विषय नहीं होती। उसका असली चेहरा बाजार की भीड़, किसान के खेत, मजदूर की मजदूरी और मध्यमवर्गीय परिवार की रसोई में दिखाई देता है। यही कारण है कि जब आर्थिक आंकड़े उम्मीद की तस्वीर पेश करते हैं और आम नागरिक अपने खर्चों के दबाव से जूझता दिखाई देता है, तब विकास की कहानी कई सवालों को जन्म देती है। हाल के दिनों में देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था एक साथ चर्चा के केंद्र में रही हैं। विपक्ष भविष्य के आर्थिक संकट की आशंका जता रहा है, जबकि सरकार विकास की उपलब्धियों को देश की क्षमता और आत्मविश्वास का प्रमाण बता रही है। इन दोनों दावों के बीच राष्ट्रीय आय और विकास दर के ताजा आंकड़े सामने आए हैं, जिन्होंने बहस को और गहरा कर दिया है। निश्चित रूप से ऊंची विकास दर किसी भी देश के लिए सकारात्मक संकेत मानी जाती है। यह बताती है कि आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं और उत्पादन तथा सेवाओं का दायरा विस्तृत हो रहा है। लेकिन किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती केवल उसके कुल आकार से नहीं, बल्कि उस विकास के लाभों के वितरण से भी आंकी जाती है। यदि विकास के आंकड़े ऊपर चढ़ रहे हों, लेकिन आम नागरिक की क्रय-शक्ति सीमित हो, रोजगार के अवसर अपेक्षित गति से न बढ़ रहे हों और महंगाई लगातार घरेलू बजट पर दबाव डाल रही हो, तो तस्वीर अधूरी दिखाई देती है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे। सेवा क्षेत्र, व्यापार, पर्यटन और बैंकिंग गतिविधियों ने आर्थिक वृद्धि को सहारा दिया है, लेकिन विनिर्माण और कृषि जैसे क्षेत्रों की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी बनी हुई है। जबकि यही वे क्षेत्र हैं जो बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और ग्रामीण आय से जुड़े हैं। वैश्विक परिस्थितियां भी चिंता का कारण हैं। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और ऊर्जा बाजार में अस्थिरता का प्रभाव सीधे घरेलू महंगाई पर पड़ता है। ईंधन, परिवहन और आवश्यक वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। ऐसे में केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर आर्थिक संतोष का पर्याप्त आधार नहीं बन सकती।

किसानों की जमीन निगल रहा है हर साल बढ़ता गंगा नदी का कटाव

कुमार कृष्णन
स्तंभकार

गंगा नदी का कटाव एक विकराल समस्या है, जो हर साल सैकड़ों किसानों और परिवारों को बेघर कर रही है। बिहार के मुंगेर, खगड़िया, बेगुसराय के साथ साथ की जिलों में यह समस्या है।हर साल गंगा का बढ़ता कटाव किसानों की जमीन निगल रहा है, घरों पर संकट खड़ा कर रहा है और हजारों परिवारों का भविष्य असुरक्षित बना रहा है। गंगा कटाव पीड़ितों का दर्द केवल बाढ़ के समय का नहीं, बल्कि हर साल अपना आशियाना और उपजाऊ जमीन गंवा देने का एक अंतहीन सिलसिला जारी है।हर साल कटाव के कारण सैकड़ों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि और लोगों के पक्के घर गंगा में समा जाते हैं। पीड़ित परिवारों का दर्द अकल्पनीय और गहरा होता है। अपनी मेहनत की कमाई से बनाया गया आशियाना और पुस्तैनी जमीन जब पल भर में नदी के गर्भ में समा जाती है, तो वे पूरी तरह बेघर और भूमिहीन हो जाते हैं। पीड़ित परिवारों के पास न तो घर बचता है और न ही खेती के लिए एक इंच जमीन। वे पूरी तरह से बेघर हो जाते हैं।तक़रीबन 18 साल से कटाव पीड़ित अपने अस्तित्व की रक्षा, खेती बचाने और जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।टीकारामपुर, दक्षिणी रहीमपुर, मध्य रहीमपुर, उत्तरी रहीमपुर और बरारी रघुनाथपुर समेत कई पंचायतों में गंगा का कटाव लगातार बढ़ रहा है। इससे खेती योग्य जमीन तेजी से नदी में समा रही है और कई परिवारों के सामने विस्थापन का खतरा खड़ा हो गया है। समाजसेवी नागेंद्र सिंह त्यागी , राकेश कुमार मंडल और ई. धर्मेंद्र कुमार बताते हैं कि गंगा कटाव अब विकराल रूप धारण कर चुका है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो हजारों परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विकास का एक अलग ही माडल चल पड़ा है। गंगा के किनारे मरीन ड्राइव की बात तो की जाती है, लेकिन गंगा के कटाव और विस्थापन का सवाल हाशिए पर है। तभी तो 18 साल से लगानी लड़ रहे हैं। इस क्षेत्र यानी दियारे की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार खेती है। कटाव पीड़ितों ने अपनी पीड़ा का इजहार गंगा किनारे उपवास कर रखा और गंगा मैया से मुक्ति की गुहार लगाई। मुंगेर सदर प्रखंड के टीकारामपुर में गंगा कटाव के स्थायी समाधान हेतु हो रहे जन आंदोलन के दूसरे चरण में गंगा पूजन एवं एकदिवसीय उपवास किया गया।

आंदोलन से आरंभिक दौर से जुटे अनिल यादव बताते हैं कि गंगा कटाव रोकने हेतु बंडाल के सवाल पर 2008 से हीं आंदोलन का शुरुआत किया था। जो श्याम किशोर यादव, शिवनंदन यादव, जनार्दन यादव, इंद्रदेव यादव जैसे प्रबुद्ध लोगों के अगुवाई में लड़ा गया। जिसमें 2018 में कुछ सफलता भी मिली। लंबे संघर्ष के बाद बिहार सरकार द्वारा चार लगभग पांच किलोमीटर बंडल 51 करोड़ की लागत से बनाया गया लेकिन विभागीय लापरवाही से बहुत जल्द बंडाल समाप्त भी हो गया। इस क्षेत्र के लोगों का मानना है कि एकजूट अहिंसात्मक संघर्ष से सरकार को झुकाने में अवश्य कामयाब होंगे।अवध बिहारी संस्कृत कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. उमेश प्रसाद सिंह एवं सुभाष चन्द्र जोशी ने आंदोलन पर बैठे महिलाओं एवं पुरुषों में जोश भरते हुए कहा कि मानव जब जोर लगाता है तो पत्थर भी पानी बन जाता है। जिस दिन इस क्षेत्र के सशक्त नारी एवं पुरुष की इच्छाशक्ति मजबूत होगी, उसी दिन सरकार को कटाव पीड़ित परिवार के सामने घुटने टेकना होगा और स्थायी समाधान करना होगा।

इस आंदोलन से जुड़े आंदोलनकारी पूर्व मुखिया पांडव यादव, वर्तमान मुखिया पांडव महतो, योगेंद्र यादव, राकेश यादव, ओमप्रकाश राय, पूर्व जिला परिषद सदस्य कृष्ण कुमार उर्फ मुन्ना यादव, विवेका यादव, मिंटू यादव, पप्पू यादव, शंकर यादव रामपुर पंचायत के मुखिया कृष्णानंद यादव कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय पोद्दार, चंद्रशेखर यादव उर्फ़ पप्पू यादव,राजद जिलाध्यक्ष संजय सिंह, साहेब महतो, संजय पोद्दार, देवकीनंदन यादव, उमेश यादव, बबलू यादव, कैलाश यादव, मिंटू यादव, पीयूष यादव, योगेंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, श्रवण कुमार यादव, आकाशदीप यादव, गजेंद्र हिमांशु, पूर्व जिप सदस्य अजीत सरकार, ध्रुव कुमार यादव, रंजीत यादव, सत्तो यादव, पंकज यादव, प्रवीण कुमार, राजीव महतो सहित बड़ी संख्या में सैकड़ो कटाव परिवार की मौजूदगी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सर्वप्रथम बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलकर अपनी बातें रखेंगे। मुख्यमंत्री से इस क्षेत्र के लोगों को इसलिए उम्मीद है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कभी इस क्षेत्र यानी खगड़िया के परवत्ता से विधायक थे। दूसरे मुख्यमंत्री का गृहक्षेत्र मुंगेर जिले का तारापुर विधानसभा है और वहीं से विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद भी बात नहीं बनी तो हम पांचों पंचायत की जनता अलग-अलग मुंगेर, खगड़िया और साहेबपुर कमाल के विधायक के साथ हीं मुंगेर खगड़िया एवं बेगूसराय के सांसद के घर पर से ही घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन आरंभ करेंगे ? सरकार हमारी बात नहीं सुनेगी तो सांसद विधायक की तो अवश्य सुनेगी। इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ेंगें।युवा शक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह त्यागी ने गंगा यह संकल्प दोहराया कि जिस आंदोलन के मशाल को इस क्षेत्र के प्रबुद्ध योद्धाओं ने जलाया उसे बुझाने नहीं देंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुंगेर, खगड़िया एवं बेगूसराय के गंगा कटाव से पीड़ित जनता अपने आपको मिटाकर एक साथ आवाज बुलंद करें तो गंगा कटाव के स्थायी समाधान से कोई ताकत रोक नहीं सकता। अपने संबोधन में भाजपा नेता समाजसेवी ई. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि इस आंदोलन से क्या होगा, वैसे लोगों से स्पष्ट शब्दों में कह देता हूँ कि इस धरती पर कोई ऐसा समस्या नहीं है, जिसका समाधान आंदोलन से संभव नहीं है। खगड़िया में दर्जनों उदाहरण है जो लंबे संघर्ष के बाद अंजाम तक पहुंचा है। रेल, रोड, पुल से लेकर उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान तक सफर संघर्ष के बलबूते तय हुआ है।

गंगा कटाव से पीड़ित लोगों ने अपनी पीड़ा को लेकर एक अनोखा विरोध प्रदर्शन करते हुए एक दिवसीय उपवास रखा और गंगा मईया से अर्जी लगाते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार से गुहार लगाई। कटाव की मार झेल रहे परिवारों का कहना है कि हर साल उनकी जमीन, घर और भविष्य गंगा में समा जाता है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकला है। पीड़ितों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मांग की है कि गंगा कटाव की समस्या पर गंभीरता से पहल कर ठोस एवं दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि हजारों गरीब परिवारों का जीवन सुरक्षित हो सके और उन्हें बार-बार विस्थापन का दर्द न झेलना पड़े।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

कांग्रेस में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और लगातार बिखरती साख

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है।

इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्ज़त दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

बर्फ वाला पानी पीने से चिपचिपी हो सकती हैं आंतें, डायजेशन होता है खराब

गर्मी का मौसम आते ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण पसीना अधिक आता है। यह हीट स्ट्रोक और हीट एग्जॉशन की वजह बन सकता है। गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादातर लोग फ्रिज का तेज ठंडा पानी पीना शुरू कर देते हैं। यह ठंडा पानी हमारे शरीर को कुछ समय के लिए आराम पहुंचता है, लेकिन लंबे समय तक यह आदत पाचन क्रिया और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव दिखाने लगती है।

डॉ अनुकल्प प्रकाश डायरेक्टर गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, सीके बिरला हॉस्पिटल कहते हैं कि अगर आप ठंडा पानी पीते हैं तो इससे आपको पेट में दर्द, गैस और अपच आदि समस्याएं महसूस हो सकती हैं।

शरीर तापमान 37°C या 98.6°F में सबसे बेहतर तरीके से काम करता है। लेकिन,गर्मियों के मौसम में जब आप एकदम ठंडा पानी पीते हैं, तो आपके पेट का तापमान कुछ समय के लिए कम हो जाता है, जिससे आपके पाचन एंजाइमों का काम धीमा हो जाता है या वे ठीक से काम नहीं कर पाते। इन एंजाइमों में पेप्सिन, लाइपेस और एमाइलेज शामिल हैं, जो प्रोटीन, फैट और कार्बोहाइड्रेट को पचाने में मदद करते हैं। इन एंजाइमों के कार्य धीमे होने की वजह से पाचन क्रिया पर दबाव पड़ता है और भोजन को पचाने में लंबा समय लगता है। पेट और आंतों के आस-पास की रक्त वाहिकाएं सिकुड़ सकती हैं। इस क्रिया को 'वैसोकॉन्स्ट्रिक्शन' कहते हैं। इसके दौरान पाचन क्रिया में शामिल अंगों तक कम रक्त पहुंचता है, जिससे पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। शरीर में पोषक तत्वों के पाचन और अवशोषण के लिए ब्लड सर्कुलेशन का सही होना बेहद आवश्यक होता है। लेकिन, जब इसमें रुकावट आती है तो पाचन क्रिया धीमी हो सकती है और खाना खाने के बाद पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

पाचन की प्रक्रिया पर असर: पाचन तंत्र में भोजन को आसानी से आगे की ओर बढ़ाने का काम आंतों की म्यूकस लाइनिंग द्वारा किया जाता है। यह एक तरह की परत होती है। लेकिन, जब आप ज्यादा ठंडा पानी पीते हैं तो इससे म्यूकस लाइनिंग में चिपचिपापन बढ़ जाता है, जिससे भोजन को पेट और एसोफेगस से गुजरने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

सुविचार

हर दिन एक नया मौका है, अपनी गलती सुधारने का, और खुद को फिर से बेहतर बनाने का।

-अज्ञात

वायरल कंटेंट

ये है एक किडनी वाला गांव, राशन के लिए मजबूरी में गुर्दा बेच रहे लोग

अफगानिस्तान में गरीबी और बेरोजगारी ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। यहां का एक गांव अब 'वन किडनी विलेज' के नाम से कुख्यात हो गया है। इस गांव के लोग अपनी जिंदगी चलाने के लिए अपना गुर्दा बेचने को मजबूर हैं। मात्र राशन, आटा-चावल और कर्ज चुकाने के बदले में लोग अपना एक गुर्दा बेच रहे हैं।

हेरात प्रांत के पास स्थित इस गांव में सैकड़ों परिवार ऐसे हैं जिन्होंने भूख और कर्ज के बोझ से तंग आकर अपना अंग बेच दिया है। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां के कई युवा और यहां तक कि कुछ महिलाएं भी किडनी बेचकर गुजारा कर रहे हैं। एक गुर्दा बेचने पर उन्हें कुछ हजार डॉलर या फिर राशन सामग्री मिलती है, जिससे कुछ महीनों का खाना तो चल जाता है, लेकिन स्वास्थ्य बर्बाद हो जाता है।

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि 'हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है। कर्ज चुकाने की तंगी है। जब कोई और रास्ता नहीं बचा तो हमने किडनी बेचने का फैसला किया। ' कई परिवारों ने बताया कि गुर्दा बेचने के बाद भी उनकी हालत नहीं सुधरी, उल्टा अब स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू हो गई हैं। चिकित्सकों के अनुसार एक गुर्दा बेचने के बाद बचे हुए गुर्दे पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है । भविष्य में किडनी फेलियर, हाई ब्लड प्रेशर और अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसके बावजूद मजबूरी में लोग इस रास्ते पर जा रहे हैं। यह घटना अफगानिस्तान की मौजूदा आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। तालिबान शासन के बाद अंतरराष्ट्रीय मदद कम हुई है, रोजगार के अवसर नहीं हैं और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने हालात और खराब कर दिए हैं.। गरीब परिवारों के पास ना खेती है, ना नौकरी और ना ही कोई सरकारी सहायता. ऐसे में किडनी ट्रेड एक तरह का व्यवसाय बन गया है।

सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इस गांव की खबर फैलने के बाद दुनिया भर में हड़कंप मच गया है। मानवाधिकार संगठनों ने इसकी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह मानव अंगों का अवैध व्यापार है और गरीबी का शोषण है। लेकिन स्थानीय स्तर पर कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गांव में अब ज्यादातर घरों में कम से कम एक व्यक्ति ऐसा है जिसने किडनी बेची है। यही वजह है कि इसे 'वन किडनी विलेज' नाम दिया गया है। बच्चे भूखे सोते हैं, महिलाएं रोती हैं और पुरुष मजबूरी में अस्पताल जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठन अब इस मुद्दे पर ध्यान दे रहे हैं।

स्कैम अलर्ट

नौकरी के नाम पर ठगी का इंटरव्यू... चेहरा स्कैन कर खाली कर देते हैं अकाउंट

अगर आप भी नौकरी की तलाश में हैं, तो अगली बार जब इंटरव्यू के लिए वीडियो कॉल या मीटिंग अटेंड करने को कहा जाए, तो चौकन्ने हो जाएं। दरअसल ऑनलाइन ठगी करने वालों ने अब इंटरव्यू कॉल को भी लोगों के बैंक अकाउंट खाली करने का जरिया बना लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने देशभर के लिए चेतावनी जारी की है। ये चेतावनी नामी कंपनियों के नाम से चलाए जा रहे फर्जी जॉब इंटरव्यू से जुड़ी है।

जालसाज ऑनलाइन इंटरव्यू और वेरिफिकेशन के बहाने लोगों के अकाउंट खाली कर रहे हैं। यह एक तरह का ढ्ढ-बायोमेट्रिक स्कैम है, जिसमें आपके चेहरे को स्कैन कर ठगी को अंजाम दिया जाता है। दरअसल ऑनलाइन ठगी करने वालों ने लोगों को चूना लगाने का नया रास्ता तलाशा है। इसमें पहले लोगों को शानदार जॉब का ऑफर भेजा जाता है और फिर ऑनलाइन इंटरव्यू या वेरिफिकेशन के बहाने आपका कीमती डेटा चुरा लिया जाता है। इस ठगी का शिकार कई लोग हो चुके हैं और यह सारा प्रोसेस किसी असली जॉब इंटरव्यू की तरह ही लगता है। इसमें ठगी करने वालों का मकसद किसी तरह से आपको ऑनलाइन कॉल या मीटिंग पर लाना होता है।

वीडियो कॉल पर कैसे होती है ठगी

इस स्कैम में स्कैमर्स बेहद सोची-समझी साजिश के तहत काम करते हैं। लोगों को नौकरी के नाम पर इंटरव्यू के लिए ऑनलाइन कॉल पर बुलाया जाता है। इसके बाद इंटरव्यू देने वाले को फेस वेरिफिकेशन या आई स्कैनिंग जैसी प्रक्रियाएं पूरी करने को कहा जाता है। फिर स्कैमर्स ढ्ढ टूल्स की मदद से चेहरे और बायोमेट्रिक्स इनपुट की हूबहू नकल तैयार कर लेते हैं। इस नकली पहचान का इस्तेमाल आपके बैंक खातों में सेंध लगाने या आपके मोबाइल नंबर को बदलने के लिए क्या जाता है।

इस स्कैम से बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप असली-नकली नौकरी के फर्क को समझें। झांसा देने वाले नौकरी की बात करते हुए जल्दबाजी करते हैं और सिलेक्शन होने का झांसा देकर निजी जानकारी शेयर करने का दबाव बनाते हैं। ध्यान रखें कि प्रतिष्ठित कंपनिया बिना किसी प्रोसेस के ना तो नौकरी देती हैं और न ही आपसे आपकी बैंक डिटेल्स मांगती हैं। इसके अलावा इंटरव्यू पर चेहरे को स्कैन करने या आंखों का स्कैन लेने की बात हो, तो चौकन्ने हो जाएं। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट, ईमेल डोमेन और सोशल मीडिया प्रोफाइल की अच्छी तरह जांच कर लें। अनऑफिशियल ईमेल आईडी या संदेहास्पद मैसेजेस पर बिल्कुल भरोसा न करें।

निशाना

खुश तो हो..!

मनोज साहू 'निडर'

हथियारों की होड़ मचाकर खुश तो हो?
तितली के भी पंख जलाकर खुश तो हो?
अमन-चैन से रहने वाली बस्ती पर,
बारूदों की गश्त लगाकर खुश तो हो?
नीली आँखें, भोली सूरत पूछ रही,
नन्हे सपने ख़ाक बनाकर खुश तो हो?
दाना, पानी, खेत, किताबें बंदिश में,
दुखती रग को और दबाकर खुश तो हो?
धरती-अंबर तक फैली है गिद्ध नज़र,
रूह तलक दहशत फैलाकर खुश तो हो?
सत्ता के सिंहासन पर मदहोशी में,
मानवता का खून बहाकर खुश तो हो?

न्यूज विंडो

वार्ड 14 और 17 के नाले को किया साफ, अतिक्रमण हटाया

नर्मदापुरम। बारिश पूर्व नगरपालिका का स्वच्छता अभियान तेज गति से चल रहा है। स्वच्छता अभियान के तहत नगर के सभी बड़े नाले-नालियों का जेसीबी पोकलेन और स्वच्छता दूतों की मदद से सफाई कराई जा रही है। विगत एक माह से चल रहे विशेष सफाई अभियान में अनेक स्थानों के नाले नालियों को साफ किया जा चुका है। साथ ही नाले नालियों पर हुए पक्के, कच्चे अतिक्रमण को भी हटाया जा रहा है। प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले और स्वच्छता शाखा प्रभारी दीक्षा तिवारी के निर्देश पर नगर में बारिश पूर्व विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 14 में स्थित नाले तथा वार्ड क्रमांक 17 के नाले को आज जेसीबी की मदद से साफ किया गया। साथ ही जहां जेसीबी या पोकलेन नहीं पहुंच पा रही थी वहां स्वच्छता दूतों की मदद ली गई। साथ ही नाले पर लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमणों को भी हटाया गया। साथ ही समझाइश भी दी गई कि अगर नाले नालियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण किया है तो उसे तत्काल हटा लें। अन्यथा मशीनों की मदद से तत्काल अतिक्रमण हटाया जाएगा।

आशा कार्यकर्ताओं ने मानदेय का भुगतान न होने पर किया प्रदर्शन

मंडला। जिले में आशा कार्यकर्ताओं ने मानदेय का भुगतान न होने के विरोध में प्रदर्शन किया। आशा एकता संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मंडला मुख्यालय पहुंचीं और अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। आशा कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकाली और नेहरू स्मारक चौराहे का घेराव किया। इस दौरान उन्होंने सरकार व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द बकाया भुगतान की मांग की। प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए चौराहे पर यातायात भी प्रभावित हुआ।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम को ग्रामीणों के विरोध के कारण रोकनी पड़ी कार्रवाई

नरसिंहपुर। जिले के करपगांव में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम को ग्रामीणों के विरोध के कारण कार्रवाई रोकनी पड़ी। एक किसान के जेसीबी मशीन के सामने खड़े होने के बाद तनाव की स्थिति बन गई, जिसके बाद प्रशासन को पीछे हटना पड़ा। मौके पर नायब तहसीलदार चंदन तिवारी राजस्व अमले के साथ मौजूद थीं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत की सरकारी जमीन पर कई अन्य मकान भी बने हैं, लेकिन प्रशासन केवल एक परिवार को निशाना बनाकर कार्रवाई कर रहा है।

4.12 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

कोतमा। नशे के खिलाफ अभियान के तहत कोतमा पुलिस ने राहुल मांझी को 4.12 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बताया कि वह स्मैक जबलपुर से लाकर कोतमा में बेचने वाला था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि जमुना-कोतमा क्षेत्र में केवल पिछले महीने ही करीब 680 ग्राम स्मैक ,22 लाख रुपये के मेडिकल ड्रग्स और 55 लाख रुपये से अधिक के गांजा कारोबार की जानकारी सामने आई थी। ऐसे में 4.12 ग्राम स्मैक की यह कार्रवाई बड़े नशा नेटवर्क के मुकाबले ऊंट के मुंह में जीरा÷ साबित हो सकती है। अब लोगों की नजर पुलिस की आगे की कार्रवाई और बड़े तस्करों तक पहुंचने पर टिकी है।

उदयपुर पहाड़ी हत्याकांड का खुलासा, आरोपी को भेजा जेल

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

उदयपुर पहाड़ी हत्याकांड का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस की त्वरित, सटीक एवं प्रभावी विवेचना के परिणामस्वरूप घटना में प्रयुक्त महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 2 जून को थाना देहात में फरियादी भारत सिंह अहिरवार निवासी ग्राम गंज द्वारा अपने पुत्र कन्हैया उर्फ मनीष अहिरवार के गुम होने की सूचना दी गई थी।

सूचना पर थाना देहात बासौदा में गुम इंसान दर्ज कर उसकी तलाश प्रारंभ की गई। तलाश के दौरान 4 जून को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम उदयपुर की पहाड़ी पर झाड़ियों में एक अज्ञात शव पड़ा है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, जहां शव की शिनाख्त कन्हैया उर्फ मनीष अहिरवार के रूप में हुई। इसके पश्चात पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की विवेचना प्रारंभ की गई तथा शव का पोस्टमार्टम सिविल अस्पताल में कराया गया। मर्ग जांच के दौरान प्राप्त भौतिक, तकनीकी एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या की पुष्टि होने पर आरोपी सूरज के विरुद्ध थाना शहर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी गंजबासौदा शिखा भलावी के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी गंजबासौदा शहर के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर संदेही सूरज निवासी गायत्री नगर, बरेठ रोड को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पत्थर, मृतक का मोबाइल फोन तथा ई-रिक्शा की बैटरी एवं चार्जर बरामद किए गए। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने

घटना में प्रयुक्त पत्थर, मृतक का मोबाइल फोन, ई-रिक्शा की बैटरी एवं चार्जर बरामद किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शहर निरीक्षक संजय वेदिया, निरीक्षक मोहर सिंह, उपनिरीक्षक रितुराज सिंह, उपनिरीक्षक गौरव रघुवंशी, उपनिरीक्षक दिव्या पाराशर, उपनिरीक्षक राधेश्याम यादव, सहायक उपनिरीक्षक दुर्गसिंह रघुवंशी, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र तिवारी, प्रधान आरक्षक दिव्यक्रांति भार्गव, आरक्षक अरुण छारी, आरक्षक सरमन साहू, आरक्षक अभिषेक शुक्ला, आरक्षक रामनिवास मीना एवं आरक्षक सुरजीत जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कोतमा अग्रवाल लॉज हादसाः असली दोषियों को बचाने की हो रही कोशिश

3 मौतों के बाद भी ठेकेदार, CMO और उपयंत्री पर नहीं हुई कार्यवाही, सवालों के घेरे में पूरी जांच

कोतमा। दोपहर मेट्रो

कोतमा नगर के वार्ड 5 स्थित बस स्टैंड के पास 4 अप्रैल को हुए अग्रवाल लॉज हादसे में तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत और तीन अन्य के गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी आज तक पीड़ित परिवार न्याय की राह देख रहे हैं। हादसे के दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद मामले के मुख्य जिम्मेदारों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से नगरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि अग्रवाल लॉज के ठीक बगल में व्यावसायिक निर्माण के लिए लगभग 18 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था। बताया जाता है कि खुदाई के दौरान भवन की नींव तक मिट्टी निकाल दी गई थी और गड्ढे में पानी भर जाने से भवन की नींव कमजोर हो गई, जिसके परिणामस्वरूप पूरी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में तीन मजदूरों की जान चली गई। स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण स्थल पर खुदाई का कार्य लगभग 15 दिनों से जारी था। सवाल यह उठता है कि यदि इतनी बड़ी खुदाई नगर पालिका क्षेत्र में हो रही थी तो संबंधित अधिकारी और तकनीकी अमला क्या कर रहा था। मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम, 2012 के अनुसार ऐसे मामलों की निगरानी और आवश्यक कार्रवाई नगर पालिका की जिम्मेदारी होती है।

कार्रवाई के नाम पर दूसरे वार्ड की प्रभारी उप यंत्री वंदना अवस्थी तथा सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्रनाथ तिवारी को निलंबित कर दिया गया, लेकिन नगरवासियों का आरोप है कि केवल निचले स्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई कर मामले को सीमित करने का प्रयास किया गया है। नगरीय प्रशासन विभाग के जॉइंट डायरेक्टर आर.पी. मिश्रा द्वारा की गई कार्रवाई भी अब सवालों के घेरे में है। आलोचकों का कहना है कि जांच और कार्रवाई का दायरा केवल कुछ अधिकारियों तक सीमित रखकर बड़े स्तर की जवाबदेही से बचने का प्रयास किया गया। नगरवासियों का आरोप है कि यदि हादसे की निष्पक्ष जांच हो तो प्रशासनिक, तकनीकी और निर्माण से जुड़े सभी पक्षों की भूमिका सामने आ सकती है। ऐसे में केवल चुनिंदा कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामले को समाप्त मान लेना न्यायसंगत नहीं होगा। अग्रवाल लॉज हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिवार आज भी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। नगर में चर्चा का विषय बना यह मामला अब केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की परीक्षा बन गया है।तीन मजदूरों की मौत के बाद भी यदि मुख्य जिम्मेदारों की भूमिका की जांच नहीं होती, तो क्या इसे न्याय कहा जा सकता है। क्या कार्रवाई केवल निलंबन तक सीमित रह जाएगी, या फिर ठेकेदार, संबंधित तकनीकी अधिकारियों और प्रशासनिक जिम्मेदारों की जवाबदेही भी तय होगी।

सीएमओ की भूमिका पर उठ रहे सवाल

हादसे के बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रदीप झरिया की भूमिका लगातार चर्चा में है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि नगर में लंबे समय से अवैध निर्माण गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन उन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि ष्टस्न्ह्र की कार्यप्रणाली और क्षेत्र में उनकी उपलब्धता को लेकर कई सवाल हैं। लोगों की मांग है कि पूरे मामले में उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारी और निगरानी तंत्र की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हादसे को रोकने में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई।

उपयंत्री को बचाने के आरोप

नगरवासियों और कुछ जनप्रतिनिधियों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि संबंधित वार्ड के प्रभारी उपयंत्री उमेश त्रिपाठी की भूमिका की गंभीरता से जांच नहीं की गई। आरोप लगाए जा रहे हैं कि तकनीकी निगरानी की जिम्मेदारी होने के बावजूद उन पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं हुई, जबकि अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। इस स्थिति ने जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि तकनीकी स्तर पर लापरवाही हुई है तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

क्यों नहीं हुई एफआईआर

पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार की भूमिका है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तकनीकी मानकों की अनदेखी करते हुए भवन की नींव के समीप तक गहरी खुदाई की गई, जिससे संरचना कमजोर हो गई। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि यदि प्रारंभिक तथ्यों में खुदाई को हादसे का कारण माना जा रहा है तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई क्या उसके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया और उसकी जिम्मेदारी तय की गई इन सवालों का स्पष्ट जवाब अब तक सामने नहीं आया है।

जनप्रतिनिधियों ने उच्च शिक्षा मंत्री से की मुलाकात नर्मदा कॉलेज में लॉ पाठ्यक्रम जारी रखने की मांग

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में संचालित विधि (लॉ) पाठ्यक्रमों को लगातार जारी रखने की मांग को लेकर जिले के जनप्रतिनिधियों ने सोमवार को उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे शामिल थे। जनप्रतिनिधियों ने मंत्री को बताया कि नर्मदा महाविद्यालय में संचालित लॉ पाठ्यक्रम क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन पाठ्यक्रमों के बंद होने से विद्यार्थियों के भविष्य पर असर पड़ सकता है। इसलिए इनके निरंतर संचालन के लिए आवश्यक प्रशासनिक और शैक्षणिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने प्रतिनिधिमंडल की मांग पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए मामले की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के हित में विषय पर गंभीरता से विचार करने के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया।

प्रथम वर्ष में प्रवेश बंदः जिले में पृथक लॉ कॉलेज की शुरुआत के बाद अब शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में संचालित बीए-एलएलबी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश बंद कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा नए प्रवेश केवल लॉ कॉलेज में दिए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को कानून की पढ़ाई पूरी करने में पहले की तुलना में एक वर्ष अधिक समय लगेगा। अब एलएलबी में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को पहले तीन वर्षीय स्नातक (ग्रेजुएशन) की पढ़ाई पूरी करनी होगी, इसके बाद तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलेगा। इस प्रकार कानून की डिग्री हासिल करने में कुल छह वर्ष का समय लगेगा। जबकि नर्मदा कॉलेज में संचालित एकीकृत बीए-एलएलबी पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राएं मात्र पांच वर्षों में ही कानून की डिग्री

निर्माण के छह माह बाद ही खराब हुई सड़क अब लोगों का चलना हुआ मुश्किल

सिवनी मालवा । दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने बाले ग्राम नानपा से कुल्हड़ा गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की हलत पहलीं ही बारिश में और जर्जर हो गईं ! गर्मियों में तो धूल के गुब्बार इस सड़क पर देखे जाते थे लेकिन अब जगह-जगह गड्ढे में पानी भर गया है जिसमे मुख्य पैदल नर्मदा परिक्रमा मार्ग भी है यही सड़क जो कि रोहना होते हुए नर्मदापुरम से सीधे आंवलीघाट को जोड़ती है। जिसमें नर्मदावासी खोकसर, खरखेड़ी, टिगरिया, कजलास, नानपा, कुल्हड़ा, हथनापुर, होते हुए आंवलीघाट पहुंचते हैं ! राहगिरो को बड़े ही समस्या का सामना करते हुए गुजरना पड़ता है! यतेंद्र सिंह राजपूत(नानपा), शैलेंद्र सिंह परमार(लाला), विजय परिहार, रजत सिंह, विजयपाल उईके, हेमप्रकाश बनिया, दीपेंद्र यदुवंशी, आयुष राजपूत, नितेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह,देवेंद्र बानियां, धर्मेंद्र सिंह, सुशील मालवीय ने बतया की इस मार्ग की लम्बाई लगभग 4 किलोमीटर जिसका निर्माण वर्ष 2020 में हुआ था बनने के लगभग 6 माह में ही यह सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गई ओर अब सड़क का नामो निशान तक नहीं है विगत 4 साल से हम इस सड़क के लिए संघर्ष कर रहे हैं। और सड़क मरम्मत करवाने के लिए मांग करते आ रहे हैं जिसके लिए हमने विधायक, संसद, कलेक्टर जनसुनवाई, कमिश्नर प्रधान मंत्री ग्राम सड़क के महाप्रबंधक सहित समस्त जिम्मेदार अधिकारियों से कई बार मिल चुके हैं लिखित ओर मौखिक आवेदन दे चुके हैं, लेकिन लेकिन हम ग्रामीणों की आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई ! ग्रामीणों ने बताया की सड़क का निर्माण मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत शुरू किया गया था, लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। बाद में केवल खानापूर्ति कर दी गई, जिससे सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो गई। जगह-जगह बड़े गड्ढे और उखाड़ी हुई सडक के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में यह सड़क कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाती है जगह-जगह गड्ढे हैं और उसमें बारिश का पानी भरा जाता है।

मेट्रो एंकर

आरोग्यम नर्मदापुरम जन स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

425 ग्राम पंचायतों में लगेगा स्वास्थ्य मेला

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सोमवार को आरोग्यम नर्मदापुरम जन स्वास्थ्य शिविर÷ अभियान का शुभारंभ किया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की पहल पर जिले की सभी 425 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक बुधवार और शनिवार को जन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर ने बताया कि जिले के 154 उप स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें सिकल सेल एनीमिया, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, मलेरिया, टाइफाइड, एचआईवी, डेंगू, हेपेटाइटिस बी एवं सी सहित 14 प्रकार की जांचें निशुल्क की जाएंगी। जांच के बाद मरीजों को

आवश्यक दवाइयां भी मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने अधिक से अधिक लोगों से शिविरों का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन ही सुख और समृद्धि का आधार है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं को बिना संकोच स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया।

शिविरों में गर्भवती महिलाओं, बच्चों, किशोर-किशोरियों और वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच के साथ टीबी, कुष्ठ, मलेरिया, उच्च रक्तचाप, सिकल सेल एनीमिया, ओरल कैंसर, अंधत्व एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण भी किए जाएंगे। आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी से जुड़ी सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। कलेक्टर ने बताया कि प्रत्येक लाभार्थी को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद आरोग्यम कार्ड प्रदान किया जाएगा तथा आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं द्वारा हर 15 दिन में फॉलोअप किया जाएगा। गंभीर रोगियों के उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उच्च संस्थानों में रेफर किया जाएगा। जिले में 23 हजार गर्भवती माताओं, 21 हजार शिशुओं और लगभग ढाई लाख बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य रखा गया है। अभियान की निगरानी जिला स्तर के अधिकारी करेंगे तथा ग्राम पंचायतों में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। 17 जून को जिला स्तरीय एवं 18 जून को बनखेड़ी में वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

विवाद के कारण दो बच्चियों को हौज में फेंक मार डाला, 21 गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के राजोद थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। महिला संबंधी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच चल रही समझौता वार्ता विफल होने के बाद हिंसा भड़क उठी। आरोप है कि गांव में घुसे हमलावरों ने चार और पांच वर्ष की दो बच्चियों को उठाकर पानी के हौज में फेंक दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई, जबकि गांव में तनाव और दहशत का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलते ही राजोद थाना पुलिस, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। पुलिस ने देर रात तक कार्रवाई करते हुए 21 आरोपियों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत हनुमंत्या के सरपंच द्वारा एक विवाहित महिला को अपने साथ रखने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा (म.प्र.)

क्रमांक/निविदा/26/ सिरोंज, दिनांक.............

ई-टेंडर आमंत्रण सूचना

नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु आनलाईन निविदा का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रू.	ऑनलाईन निविदा का प्रपत्र मूल्य	समय अवधि
1	2	3	4	5	6
2026_UAD_512844	वार्ड 13 रामबाबू नेमा जी से धीरज जी तक सीसी रोड व नाली	1469490	11000	2000	06 month

शर्त- टेंडर डाक्यूमेंट के आधार पर निर्धारित सभी कर एवं शासन द्वारा निर्धारित जी.एस.टी. कटौत्रा किया जावेगा।

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी https://mptenders.gov.in एवं नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा के लोक निर्माण विभाग शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिरोंज

न्यूज विंडो

कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटर शेड निर्माण से किसानों को मिलेगा लाभ

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत नरगुंवा में जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाटर शेड निर्माण कार्य कराया गया है। इस परियोजना का निर्माण हितग्राही चरण राम सिंह लोधी के खेत क्षेत्र में किया गया है, जिसकी कुल लागत 4 लाख 31 हजार रुपये है। इसके लिए ग्राम सरपंच आरती गौड का विशेष योगदान रहा इस निर्माण कार्य का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण करना, भू-जल स्तर में वृद्धि करना तथा किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराना है। ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। वाटर शेड निर्माण से वर्षा के पानी का संग्रहण होगा, जिससे खेतों में नमी बनी रहेगी और किसानों को फसल उत्पादन में लाभ मिलेगा। ग्राम पंचायत नरगुंवा में किए गए इस कार्य से आसपास के किसानों को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलने की संभावना है। जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण से न केवल सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं भूमि की उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। हितग्राही चरण राम सिंह लोधी ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत प्राप्त इस सुविधा के लिए शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

51 हजार तुलसी पौधे बांटे गए सनातन संस्कृति को बढ़ावा

धार। राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की स्मृति में ग्राम दर्शन-राम दर्शन अभियान मध्य प्रदेश के धार जिले की पर्यटन नगरी मांडू में शुरू हुआ। सोमवार को मांडू के चतुर्भुज राम मंदिर में महामंडलेश्वर पीठाधीश्वर डॉ. नरसिंह दास महाराज और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर ने इस अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 51 हजार तुलसी के पौधों का पूजन कर उन्हें मांडू नगर, आसपास के क्षेत्रों और आने वाले पर्यटकों को वितरित किया गया। अभियान की शुरुआत संत-महात्माओं, आचार्यों और पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, पुष्पांजलि और महाआरती के साथ हुई। भगवान शालिग्राम का विशेष औषधीय अभिषेक पूजन-अर्चन भी किया गया। केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने बताया कि यह गांवों में आयोजित एक अनूठा पर्यावरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इसका मुख्य उद्देश्य रामचरितमानस के माध्यम से गांवों में संस्कार, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है, जिसमें तुलसी के पौधे बांटना शामिल है। उन्होंने तुलसी को लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और रोगों से दूर रखने के लिए रामबाण बताया। रोगों से लड़ने में सहायक महामंडलेश्वर नरसिंह दास महाराज ने कहा कि तुलसी का पौधा घर को मंदिर का रूप देने के साथ-साथ शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करता है। सनातन संस्कृति में घर-घर तुलसी का होना अत्यंत शुभ और अनिवार्य माना गया है। यह आध्यात्मिक और औषधीय गुणों का भंडार है जो घर में सुख-समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और आरोग्यता लाता है।

मैनेजर की मौत पर उठे सवाल, बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज सागर में पोस्टमार्टम की मांग

लापता पेट्रोल पंप मैनेजर का कुएं में मिला शव, परिजनों ने हत्या की आंशका जताई

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झलोन में संचालित अरहम पेट्रोल पंप के मैनेजर रूपेश जैन (30) का शव रविवार शाम एक कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। तीन दिन से लापता रूपेश के शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मामले को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका व्यक्त की है तथा निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों एवं ग्राम के लोगों ने पेट्रोल पंप संचालक शिवांजय जैन की भूमिका पर भी संदेह जताया है। वहीं प्रशासन और पुलिस मामले की जांच में जुटे हुए हैं। परिजनों एवं ग्राम के लोगों द्वारा शव का पोस्टमार्टम तेंदूखेड़ा में ना करवाकर सागर में करवाने मांग प्रशासन की थी अनुमति मिलने के बाद शव का पोस्टमार्टम सागर में कराया गया है।

जानकारी के अनुसार झलोन निवासी रूपेश जैन, पिता हुक्मचंद जैन, अरहम पेट्रोल पंप में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। परिजनों के मुताबिक 5 जून की रात करीब 12 बजे वह अचानक घर से लापता हो गए थे। अगले दिन सुबह जब परिजनों को उनके गायब होने की

जानकारी लगी तो उन्होंने तेंदूखेड़ा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस और परिजनों द्वारा लगातार उनकी तलाश की जा रही थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। रविवार शाम करीब 8 बजे ग्राम झलोन स्थित नन्ने कुएं पर पानी भरने पहुंचे ग्रामीणों ने कुएं में एक शव देखा। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना सरपंच एवं पुलिस को दी। सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। बाद में उसकी पहचान लापता रूपेश जैन के रूप में हुई। पुलिस ने शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के शवगृह में रखवाया। सोमवार सुबह सागर से पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव का परीक्षण किया। जांच टीम में आर.सी. अहिरवाल, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह तोमर सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मै एसडीएम सी.जी. गोस्वामी, एसडीओपी अर्चना अहीर, थाना प्रभारी रविंद्र बागड़ी, तहसीलदार विवेक व्यास नायब तहसीलदार चंदशेखर शिल्पी तारादेही थाना प्रभारी आलोक तिरपुडे तेजगढ़ थाना अरविंद सिंह ठाकुर सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी रही। मृतक के भाई दीपेश जैन ने आरोप लगाया कि उनके भाई ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उसके साथ कोई गंभीर घटना हुई है। उन्होंने कहा कि रूपेश पर कार्यस्थल से संबंधित दबाव बनाया जा रहा था। दीपेश जैन के अनुसार यह जांच का विषय है कि यह हत्या है या किसी दबाव के कारण आत्महत्या, लेकिन परिस्थितियां पूरी तरह संदिग्ध हैं और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वहीं झलोन के सरपंच प्रतिनिधि चक्रेश जैन ने दावा किया कि रूपेश के मोबाइल फोन में एक हस्तलिखित पत्र मिला है, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज हैं। उनका कहना है कि उक्त पत्र पुलिस को सौंप दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रारंभिक स्तर पर पेट्रोल पंप संचालक से पर्याप्त पूछताछ नहीं की गई, जबकि कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं जो मामले को संदेहास्पद बनाते हैं।

श्री लीलादेवी हॉस्पिटल सील, पंजीयन और लाइसेंस भी निरस्त

धार। दोपहर मेट्रो

मांडव रोड स्थित श्री लीलादेवी हॉस्पिटल का पंजीयन रजिस्ट्रेशन एवं अनुज्ञापन लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर अस्पताल को पूरी तरह सील कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी आदेश के बाद अब अस्पताल में किसी भी प्रकार की चिकित्सीय सेवाओं का संचालन पूरी तरह से गैर-कानूनी माना जाएगा।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार,मांडव रोड स्थित इस अस्पताल प्रबंधन को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जल अधिनियम 1974 और वायु अधिनियम 1981 के तहत अनिवार्य सीटीओं लेकर स्वास्थ्य विभाग में जमा कराने के निर्देश दिए गए थे। विभाग द्वारा इसके लिए कई स्मरण पत्र और कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए। इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने न तो वैध सीटीओं पेश किया और न ही नोटिस का कोई जवाब देना समझा। 21 अप्रैल 2026 को को स्वास्थ्य विभाग की टीम के डॉ. नरेन्द्र पवैया के नेतृत्व में जब औचक निरीक्षण करने पहुंची, तो अस्पताल का लाइसेंस पहले से ही निलंबित था। इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर अस्पताल धड़ल्ले से चालू था और वार्डों में मरीज भर्ती थे। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर क्षेत्रीय कार्यालय ने भी इस संस्थान का पंजीयन रद्द करने की कड़ी सिफारिश की थी। सीएमएचओ ने अपने आदेश में साफ चेतावनी दी है कि यदि इस सीलबंदी और निरस्तीकरण के आदेश के बाद भी गुपचुप या किसी अन्य तरीके से अस्पताल का संचालन करने की कोशिश की गई, तो नर्सिंग होम अधिनियम और अन्य कानूनी धाराओं के तहत प्रबंधन के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नेत्र जांच शिविर 30 को

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में 30 जून मंगलवार को निःशुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर गणनायक फाउंडेशन द्वारा आयोजित है। हर वर्ष की तरह स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय की टीम मौजूद रहेगी। इसमें जिन भी मरीजों को मोतियाबिंद या अन्य ऑपरेशन की अवस्था पाई जाएगी, उन्हें झोतेश्वर चिकित्सालय ले जाकर निःशुल्क उपचार किया जाएगा। जागरूकजनों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने आसपास के जरूरमंद व्यक्तियों को शिविर का लाभ दिलाकर नेक कार्य में भागीदार बनें।

24 घंटे में भरा चांदनी नदी पुल का जानलेवा गड्ढा

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होते ही प्रशासन हरकत में आया और नेशनल हाईवे पर मौत को दावत दे रहे गड्ढे को 24 घंटे के भीतर भर दिया गया। नर्मदापुरम-हरदा मुख्य मार्ग पर शहर से 8 किमी दूर भीलटदेव स्थित चांदनी नदी पुल पर लंबे समय से बड़ा गड्ढा बना था। प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं था। मामले को समाचार पत्रों ने प्रमुखता से उठाया। खबर प्रकाशन के बाद प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर कर्मचारियों को भेजा और गिट्टी व सीमेंट के पक्के मसाले से गड्ढे को पूरी तरह बंद कर दिया।

दस हजार रुपए की रिश्वत लेते पटवारी को लोकायुक्त टीम ने किया रंगेहाथों गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

लोकायुक्त की टीम ने जिले के मनावर में कार्रवाई करते हुए तहसील के पटवारी प्रवीण पाटीदार को दस हजार की की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, उक्त पटवारी ने प्लॉटों के नामांतरण के एवज में प्रति प्लॉट दस हजार रुपये की मांग की थी।

शिकायतकर्ता अरुण कुमार तिवारी निवासी तिलक मार्ग ने अपने साथी अंकुश सोनी को ग्राम पंचायत कस्थली में दो प्लॉट बेचे थे। इन दोनों प्लॉटों का नामांतरण करने के एवज में हल्का नंबर 21 बीडपुरा के पटवारी प्रवीण पाटीदार द्वारा दस प्रति प्लॉट के हिसाब से कुल बीस हजार की रिश्वत मांगी जा रही थी। परेशान होकर आवेदक अरुण तिवारी ने इसकी शिकायत इंदौर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय से की। लोकायुक्त टीम द्वारा गोपनीय सत्यापन कराने पर शिकायत पूरी तरह सही पाई गई। सत्यापन के बाद आज सुबह लोकायुक्त एसपी के निर्देश पर एक विशेष ट्रैप दल का गठन किया गया। जैसे ही आवेदक अरुण कुमार तिवारी रिश्वत की पहली किस्त के रूप में दस हजार लेकर मनावर स्थित पटवारी दफ्तर पहुंचे, वैसे ही वहां पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने आरोपी पटवारी प्रवीण पाटीदार को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। लोकायुक्त टीम द्वारा आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारणमामला दर्ज कर वैधानिक की जा रही है। उक्त कार्रवाई में कार्यवाहक निरीक्षक सचिन पटेरिया, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक रणजीत द्विवेदी, आरक्षक विजय कुमार, सतीश यादव, कमलेश परिहार, मनीष माथुर और कृष्णा अहिरवार शामिल रहे।

मेट्रो एंकर पुराने एवं क्षतिग्रस्त शाला भवनों को हटाने की कार्रवाई

जिले के 85 जर्जर शाला भवन होंगे कंडम नीलामी प्रक्रिया पूर्ण करने के दिए निर्देश

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं विद्यालय परिसरों के बेहतर उपयोग को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पुराने एवं क्षतिग्रस्त शाला भवनों को हटाने की कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निदेशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में शुरू कर दी गई है। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी परीक्षण एवं प्रतिवेदन के आधार पर जिले के 85 शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला भवनों को कण्डम एवं अनुपयोगी घोषित करने की अनुशंसा की गई है।

कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क) संभाग नरसिंहपुर द्वारा जर्जर भवनों की ऑफसेट वेल्यू निर्धारित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रतिवेदन के अनुसार विकासखंड गोटेगांव के 18 प्राथमिक एवं 7 माध्यमिक, नरसिंहपुर के 11 प्राथमिक एवं 6 माध्यमिक, चांवरपाठा के 17 प्राथमिक एवं 4 माध्यमिक, चीचली के 5 तथा करेली विकासखंड के 17 प्राथमिक शाला भवन शामिल हैं। जिला परियोजना समन्वयक श्री मनीष चौकसे ने लोक निर्माण विभाग के प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित विद्यालयों के जर्जर भवनों को कण्डम एवं अनुपयोगी घोषित करते हुए विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों के माध्यम से संबंधित शाला अध्यक्ष, प्रधानपाठक एवं शाला प्रबंधन समितियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। निर्देशानुसार सभी संबंधित विद्यालयों को निर्धारित ऑफसेट वेल्यू के अनुसार भवनों की नीलामी प्रक्रिया सात दिवस के भीतर पूर्ण करनी होगी। नीलामी से प्राप्त राशि को जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर के राज्य योजना मद में जमा कर पावती उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद शिक्षा केंद्र पर बैठक में दिए निर्देश इसी संबंध में जनपद शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर में संबंधित विद्यालयों के प्रधानपाठकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक ओ.पी. राय एवं बी.ए.सी. ब्रजेश नेमा ने संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर समय-सीमा में निर्धारित ऑफसेट वेल्यू के अनुसार नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित कर नीलामी से प्राप्त राशि को जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर के राज्य योजना मद में जमा कर पावती उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मण्डीदीप, जिला-रायसेन म.प्र.

क्र./641 / राजस्व न.पा./2026 — मंडीदीप दिनांक 30-4-2026

// हकअन्तरण आपत्ति सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत नगर पालिका के संपत्ति कर खाते में हकअन्तरण की कार्यवाही की जाना है अतः जिन व्यक्तियों को निम्नलिखित वार्ड क्र.... के समक्ष लिखित व्यक्तियों व भवन भूखण्ड के हकअन्तरण में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति नगर पालिका मण्डीदीप के कार्यालय में लिखित प्रमाण प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा संबंधित व्यक्तियों के नाम से हकअन्तरण की कार्यवाही की जावेगी।
गिरजा मनोहर सोना अन्सारी

क्र.	नस्ती क्र.	भवन भूमि/प्लाट/वार्ड का विवरण	विक्रेता का नाम	क्रेता का नाम	क्षेत्रफल	नामांतरण का आधार
1	11701	भूखण्ड क्रमांक-29, गंगाधाम कालोनी, वार्ड क्रमांक-24, मण्डीदीप	1. श्री भागमल, 2. श्री सुहागमल पुत्रगण स्वः श्री कमलसिंह, 3. श्रीमति कविता बाई पत्नि श्री स्वः श्री कमलसिंह, 4. श्री केसरीसिंह, 5. श्री धीरजसिंह पुत्रगण स्वः श्री परसराम, 6. श्रीमति छगनबाई, 7. श्रीमति प्रेमबाई, 8. श्रीमति सावित्रीबाई 9, श्रीमति राजकुमारी बाई पुत्रीगण श्री परसराम	श्री गब्बरसिंह, श्री अंगसिंह आ. श्री केसरीसिंह	750 वर्गफिट	रजिस्ट्री
2	11702	भूखण्ड क्रमांक-ई-24. शीतल दीप, वार्ड क्रमांक-24. मण्डीदीप	मैसर्स श्री प्रभाकर कंस्ट्रकशन कंपनी	1.श्री जगदीश प्रसाद पिता श्री भवानी सिंह धाकड़, 2. श्रीमति आरती धाकड़ पत्नि श्री जगदीश प्रसाद,	520 वर्गफिट	रजिस्ट्री
3	11703	भूखण्ड क्रमांक-122, शीतल सिटी, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	श्री अमर जैन पिता स्वः श्री गुलझारीलाल जैन	श्री गजेन्द्र कुमार माण्डले पिता श्री लखनलाल माण्डले	480 वर्गफिट	रजिस्ट्री
4	11704	भूखण्ड क्रमांक-89, मधुवन फेस-1 ए, वार्ड क्रमांक-01, मण्डीदीप	मेसर्स मधुबन एसोसियेट्स	श्रीमति वंदना चतुर्वेदी पत्नि श्री राहुल चतुर्वेदी	50.28 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
5	11705	भूखण्ड क्रमांक-88, मधुवन फेस-1 ए, वार्ड क्रमांक-01, मण्डीदीप	मेसर्स मधुबन एसोसियेट्स	श्रीमति मीनू तिवारी पुत्री श्री उमाशंकर	50.28 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
6	11706	भूखण्ड क्रमांक-40, तुलसी विहार, वार्ड क्रमांक-24, मण्डीदीप	श्री कमल सिंह पिता श्री रामगोपाल	1. श्री हल्के विश्वकर्मा उर्फ हल्ले भाई विश्वकर्मा पिता श्री गुलजार सिंह, 2. श्रीमति गीता देवी पत्नि श्री हल्ले विश्वकर्मा	600 वर्गफिट	रजिस्ट्री
7	11707	भूखण्ड क्रमांक-239, गौरी ग्रींस कॉलोनी, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	मेसर्स कल्पधाम बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स	श्रीमति सोनिका वर्मा पत्नि श्री रामायण प्रसाद वर्मा	59.40 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
8	11708	भवन क्रमांक-122, शीतल सिटी, वार्ड क्रमांक-17. मण्डीदीप	मेसर्स श्री प्रभाकर कंस्ट्रकशन कंपनी	श्री अमर जैन पिता स्वःश्री गुलझारीलाल जैन	480 वर्गफिट	रजिस्ट्री
9	11709	भूखण्ड क्रमांक-36, मधुवन नगरी, वार्ड क्रमांक-24, मण्डीदीप	श्रीमति नेहा तिवारी उर्फ पुष्पा तिवारी पत्नि श्री नीरज तिवारी	1. श्रीमति रजनी राय पत्नि श्री सरदार राय, 2. श्री सरदार राय पिता श्री खिलान सिंह	500 वर्गफिट	रजिस्ट्री
10	11710	भूखण्ड क्रमांक-79, गोकुल धाम कालोनी, वार्ड क्रमांक-24. मण्डीदीप	श्री मुदस्सिर अजिज पिता श्री अजिज अहमद	श्री बारेलाल साहू पिता श्री हरि	450 वर्गफिट	रजिस्ट्री
11	11711	भूखण्ड क्रमांक-17ए, बिंदियाधाम कालोनी, वार्ड क्रमांक-24, मण्डीदीप	श्रीमति मंजूबाई नागले पत्नि श्री रामदीन नागले, 2. श्री हेमराज डोंगरे पिता श्री पढरीनाथ	श्रीमति छोटीबाई साहू पत्नि श्री ओमकार प्रसाद साहू	610 वर्गफिट	रजिस्ट्री
12	11712	भूखण्ड क्रमांक-10-ए, आकार बिहार कालोनी, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	श्री पवन लोवंशी पिता श्री मोहनसिंह लोवंशी	श्रीमति पूजा चौरसिया पत्नि श्री राहुल कुमार चौरसिया	500 वर्गफिट	रजिस्ट्री
13	11713	भूखण्ड क्रमांक-82, मधुवन नगरी, वार्ड क्रमांक-24, मण्डीदीप	श्रीमति साधना देवी पत्नि श्री समरजीत सिंह	1. श्री राधेश्याम राय पिता श्री बाबूलाल राय, 2. श्रीमति मनीषा राय पत्नि श्री राधेश्याम राय	800 वर्गफिट	रजिस्ट्री
14	11714	भूखण्ड क्रमांक-225, बिंदियाधाम कालोनी, वार्ड क्रमांक-24, मण्डीदीप	श्री संजय यादव पिता श्री मुशीराम यादव	श्री राहुल कुमार चौरसिया पिता श्री शिव नारायण	450 वर्गफिट	रजिस्ट्री
15	11715	भूखण्ड क्रमांक-364, भव्य सिटी, वार्ड क्रमांक-26, मण्डीदीप	श्री रामविलाश सॉकरे पिता श्री सुखनंदन सॉकरे	श्री जितेन्द्र नाथ उपाध्याय पिता श्री पारसनाथ उपाध्याय	600 वर्गफिट	रजिस्ट्री
16	11716	भूखण्ड क्रमांक-89, मोहन नगर, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	श्री मोहनलाल अग्रवाल पिता श्री फूलचंद अग्रवाल	श्रीमति अर्चना मिश्रा पत्नि श्री शैलेश कुमार मिश्रा	480 वर्गफिट	रजिस्ट्री
17	11717	भूखण्ड क्रमांक-27, शीतल रिगालिया, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	मेसर्स पुष्पदंत बिल्डर्स	श्रीमति कविता लोवंशी पत्नि श्री संदीप वर्मा	1000 वर्गफिट	रजिस्ट्री
18	11718	भूखण्ड क्रमांक-135, शीतल दीए, वार्ड क्रमांक-24, मण्डीदीप	मेसर्स श्री प्रभाकर कंस्ट्रक्शन कंपनी	1. श्री राजेश कुमार यादव पिता श्री औसेरी यादव, 2. श्री राजदेव यादव पिता श्री नन्नू यादव	480 वर्गफिट	रजिस्ट्री
19	11719	दुकान क्रमांक-13. शीतल सिटी, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	श्री यश महेश्वरी पिता श्री सुनीत महेश्वरी	श्री नवीन सोनी पिता स्वः श्री मांगीलाल	200 वर्गफिट	रजिस्ट्री
20	11720	भूखण्ड क्रमांक-43, शीतल मेगा सिटी फेस-5, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	मेसर्स पुष्पदंत बिल्डर्स प्रा.लिमि	श्रीमति रीमा मेहरा पत्नि श्री जसवंत मेहरा	59.42 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
21	11721	भूखण्ड क्रमांक-125 अन्य कालोनी, वार्ड क्रमांक-23, मण्डीदीप	मेसर्स बजरंग कंस्ट्रक्शन	श्रीमति सुनीता दोलई पत्नि श्री पवन दोलई	500 वर्गफिट	रजिस्ट्री
22	11722	भूखण्ड क्रमांक-110, भव्य सिटी, वार्ड क्रमांक-26. मण्डीदीप	मेसर्स राय होम्स इंडिया प्रा. लिमि	श्री जमना दास रायखेरे पिता श्री आत्माराम रायखेरे	540 वर्गफिट	रजिस्ट्री
23	11723	भूखण्ड क्रमांक-72. स्क्वायर कॉलोनी, वार्ड क्रमांक-24. मण्डीदीप	श्री मुरलीधर धर्मवानी पिता श्री नारूमल धर्मवानी	श्री शैतान सिंह लोवंशी पिता श्री हिम्मत सिंह लोवंशी	27.87 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
24	11724	भूखण्ड क्रमांक-98, भव्य सिटी, वार्ड क्रमांक-26. मण्डीदीप	कृ. कनकलता गुर्जर पिता श्री रामजीवन गुर्जर	श्रीमति रश्मी खरे पत्नि श्री अरविन्द खरे	116.13 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
25	11725	भूखण्ड क्रमांक-42, शीतल मेगा सिटी फेस-5, वार्ड क्रमांक-23. मण्डीदीप	मेसर्स पुष्पदंत बिल्डर्स प्रा.लिमि	श्रीमति राधा कहार पत्नि श्री विनोद कहार	59.41 वर्गमीटर	रजिस्ट्री

प्रियंकाराजेन्द्र अग्रवाल,
अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद मण्डीदीप

टीम इंडिया को मिला नया स्पिन स्टार

मानव सुथार ने डेब्यू पर जड़ा सिक्सर रिकॉर्ड्स की बारिश

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम को एक नया स्पिन स्टार मिल गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ मुल्लांपुर टेस्ट में डेब्यू करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने अपनी पहली ही टेस्ट पारी में ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने उन्हें रिकॉर्ड बुक में जगह दिला दी। 23 साल के मानव सुथार ने अफगानिस्तान की पहली पारी में 33 रन देकर 6 विकेट झटके और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम किरदार निभाया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए डेब्यू पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। भारत के लिए डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में सबसे बेहतरीन गेंदबाजी का रिकॉर्ड अब भी नरेंद्र हिरवानी के नाम है, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ चेन्नई टेस्ट के दौरान 61 रन देकर 8 विकेट लिए थे।

अब मानव सुथार का 6/33 का प्रदर्शन इस सूची में दूसरे नंबर पर आ गया है। उन्होंने 1967 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6/55 का आंकड़ा दर्ज करने वाले आबिद अली को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, मानव सुथार इस सदी में भारत के लिए डेब्यू टेस्ट पारी में पांच विकेट लेने वाले सिर्फ दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि अमित मिश्रा ने 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हासिल की थी, जब उन्होंने 71 रन देकर 5 विकेट लिए थे। साथ ही अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में यह किसी गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। इस सूची में शीर्ष पर वेस्टइंडीज के रहकीम कॉर्नवाल हैं, जिन्होंने 2019 में लखनऊ टेस्ट में 75 रन देकर 7 विकेट लिए थे। देखा जाए तो मानव सुथार टेस्ट डेब्यू पर इनिंग्स में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले 10वें भारतीय (स्पिनर्स में सातवें) हैं।

सुथार के सामने संघर्ष करत नजर आए अफगान बल्लेबाज

मुल्लांपुर टेस्ट में मानव सुथार की गेंदों के सामने अफगान बल्लेबाज पूरी तरह संघर्ष करते नजर आए. शानदार लाइन-लेंथ, बेहतरीन नियंत्रण और लगातार दबाव बनाकर उन्होंने साबित कर दिया कि भारतीय क्रिकेट को भविष्य के लिए एक और भरोसेमंद स्पिनर मिल गया है. मानव सुथार निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाज हैं और उन्होंने भारत की पहली पारी में 28 रन बनाए थे.

डेब्यू टेस्ट पारी में सर्वश्रेष्ठ आंकड़े

8/61- नरेंद्र हिरवानी बनाम वेस्टइंडीज चेन्नई, 1988

6/33- मानव सुथार बनाम अफगानिस्तान, मुल्लांपुर, 2026

6/55- आबिद अली बनाम ऑस्ट्रेलिया, एडिलेड, 1967

6/103- दिलीप दोषी बनाम ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई, 1979

महिला टी-20 विश्व कप का आगाज 12 जून से

अब तक सिर्फ छह बल्लेबाजों ने जड़े शतक, लिस्ट में भारत की ओर से अकेली हरमनप्रीत कौर का नाम

नई दिल्ली , एजेंसी

महिला टी20 विश्व कप की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 12 जून से टूर्नामेंट का आगाज होगा, जिसमें कुल 12 टीमें शामिल होंगी। यह अब तक का सबसे बड़ा महिला विश्व कप होगा। अब तक महिला टी20 विश्व कप के नौ संस्करण खेले जा चुके हैं, लेकिन इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शतक लगाने का कारनामा सिर्फ छह बल्लेबाज ही कर पाई हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका की खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। आइए जानते हैं महिला टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाली इन बल्लेबाजों और उनकी यादगार पारियों के बारे में...

1. मेग लैनिंग (ऑस्ट्रेलिया) -126 रन- ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज मेग लैनिंग ने 27 मार्च 2014 को आयरलैंड के खिलाफ 65 गेंदों में 126 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। उनकी पारी में 18 चौके और चार छक्के शामिल थे। लैनिंग की शतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में चार विकेट पर 191 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड की टीम 113/7 तक ही पहुंच सकी और ऑस्ट्रेलिया ने 78 रन से जीत दर्ज की।

2. डिएंड्रा डॉटिन (वेस्टइंडीज) - 112* रन- वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन ने 5 मई 2010 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंदों में नाबाद 112 रन बनाए थे। उनकी पारी में नौ छक्के और सात चौके शामिल रहे। डॉटिन की इस धमाकेदार बल्लेबाजी की मदद से वेस्टइंडीज ने 175/5 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 158/4 तक ही पहुंच सकी और वेस्टइंडीज ने 17 रन से मुकाबला जीत लिया।

4. हरमनप्रीत कौर (भारत) - 103 रन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर महिला टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने नौ नवंबर 2018 को न्यूजीलैंड के खिलाफ 51 गेंदों में 103 रन की शानदार पारी खेली थी। उनकी पारी में आठ छक्के और सात चौके शामिल थे। हरमनप्रीत की शतकीय पारी की मदद से भारत ने 194/5 का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 160/9 तक ही पहुंच सकी और भारत ने 34 रन से मुकाबला अपने नाम किया।

3. हीथर नाइट (इंग्लैंड) - 108* रन

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने 26 फरवरी 2020 को थाईलैंड के खिलाफ 66 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए। कैनबरा में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने शुरुआती सात रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद नाइट ने नेट शीवर ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए अटूट साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 176/2 तक पहुंचाया। थाईलैंड की टीम जवाब में 78/7 ही बना सकी और इंग्लैंड ने 98 रन से जीत हासिल की।

5. मुनीबा अली (पाकिस्तान) - 102 रन

पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली ने 15 फरवरी 2023 को आयरलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 102 रन की यादगार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके लगाए। मुनीबा की शतकीय पारी के दम पर पाकिस्तान ने 165/5 का स्कोर बनाया। इसके जवाब में आयरलैंड की टीम 95 रन पर सिमट गई और पाकिस्तान ने आसान जीत दर्ज की।

6. लिजेल ली (दक्षिण अफ्रीका) - 101 रन

दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेल ली ने महिला टी20 विश्व कप में 60 गेंदों पर 101 रन की शानदार पारी खेली थी। उन्होंने अपनी पारी में 16 चौके और तीन छक्के जड़े। ली की शतकीय पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 195/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में थाईलैंड की टीम 82 रन पर ऑलआउट हो गई और दक्षिण अफ्रीका ने 113 रन से बड़ी जीत दर्ज की।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ तेज गेंदबाजी में कई दावेदार, प्रिंस को लेकर खड़ा हुआ बड़ा सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम में कुल चार तेज गेंदबाजों को जगह दी गई है, जिसमें उभरते हुए गेंदबाज प्रिंस यादव का भी नाम शामिल है। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे टीम में मौका मिलने के बाद प्रिंस टी20 के लिए भी चयनकर्ताओं का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रिंस इस पूरे दौरे पर प्लेइंग इलेवन में जगह बना पाएंगे और अगर टीम मैनेजमेंट उनको खिलाने का फैसला लेता है, तो कौन बाहर बैठ सकता है?

बुमराह को मिला है आराम- जसप्रीत बुमराह को आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज के लिए आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाज की अगुआई मोहम्मद सिराज करते हुए नजर आएंगे। अब सिराज का साथ देने के लिए पहले से ही अर्शदीप सिंह मौजूद हैं। वहीं, हर्षित राणा भी पूरी तरह से फिट होकर टीम में

लौट आए हैं। हर्षित पर भारतीय टीम मैनेजमेंट ने पीछे भी काफी भरोसा दिखाया है। हर्षित के साथ अच्छी बात यह है कि वह गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी अहम योगदान दे सकते हैं। ऐसे में प्रिंस की प्लेइंग इलेवन में जगह बनती हुई दिखाई नहीं दे रही है।

क्यों मुश्किल है राह

प्रिंस के लिए जगह बनाने इस वजह से भी मुश्किल नजर आ रहा है, क्योंकि नीतीश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे को भी टी20 टीम में रखा गया है, जो बल्ले के साथ-साथ गेंदबाजी कर सकते हैं। अब अगर टीम प्रबंधन प्रिंस की काबिलियत से बहुत ज्यादा प्रभावित होगा, तो उन्हें मौका मिलने की उम्मीद सिर्फ आयरलैंड के खिलाफ नजर आ रही है। दिक्कत यह है कि आयरलैंड के खिलाफ भारत को सिर्फ दो ही टी20 खेलने हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि क्या प्रिंस को इस दौरे पर ले जाने का फैसला सही है चयनकर्ताओं के पास यह भी विकल्प था कि वह प्रिंस को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज में भारत ए टीम की ओर से भेजते। इस सीरीज में प्रिंस को कम से कम मैदान पर उतरने का मौका मिलता और वह अपनी गेंदबाजी की धार दिखा पाते।

पाक टीम में सर्जरी की तैयारी नए टेस्ट कोच की छुट्टी तय!

इस्लामाबाद। बांग्लादेश के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में 0-2 की शर्मनाक हार ने पाकिस्तान क्रिकेट में भूचाल ला दिया है। जिस टीम के खिलाफ जीत की उम्मीद की जा रही थी, उसी के हाथों क्लीन स्वीप होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अब बड़े बदलावों की तैयारी में जुट गया है। हालात ऐसे हैं कि टेस्ट कप्तान शान मसूद और मुख्य कोच सरफराज अहमद दोनों की कुर्सी खतरे में बताई जा रही है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस हार से बेहद नाराज हैं और टेस्ट टीम में व्यापक बदलाव चाहते हैं। बोर्ड अब सिर्फ खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा नहीं कर रहा, बल्कि टीम की पूरी नेतृत्व व्यवस्था में बदलाव पर विचार कर रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान यूनुस खान और मोहम्मद हफीज से

संपर्क किया है। दोनों से राष्ट्रीय टीम में अहम जिम्मेदारियां संभालने को लेकर बातचीत की गई है। सूत्रों के मुताबिक पीसीबी के भीतर यह प्रस्ताव रखा गया है कि सरफराज अहमद को टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाकर फिर से अंडर-19 और पाकिस्तान ए टीम की जिम्मेदारी दी जाए। सरफराज को बांग्लादेश दौरे से ठीक पहले टेस्ट टीम का कोच बनाया गया था, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। एक सूत्र ने बताया, यूनुस खान और मोहम्मद हफीज दोनों की पीसीबी अधिकारियों से बातचीत हुई है। हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

जब शिल्पा शेट्टी को फिल्मों से किया गया बाहर फिर भी नहीं मानी हार, धड़कन बनी टर्निंग प्वाइंट

बालीवुड की मशहूर अभिनेत्री, फिटनेस आइकन और शिल्पा शेट्टी आज लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं, लेकिन उनकी सफलता के पीछे संघर्ष और चुनौतियों की लंबी कहानी छिपी है। एक मौका ऐसा भी आया था जब उन्हें उन्हें फिल्मों में काम मिलना लगभग बंद हो गया था, इतना ही नहीं कई फिल्म निर्माताओं ने उन्हें अपनी परियोजनाओं से बाहर भी कर दिया था। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और मेहनत और धैर्य का रास्ता चुनकर खुद को फिर से स्थापित किया। कर्नाटक के मंगलुरू में जन्मी शिल्पा शेट्टी का वास्तविक नाम अश्विनी शेट्टी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के व्यवसाय में सहयोग करने लगीं। इसी दौरान एक फैशन शो में भाग लेने का अवसर मिला, जहां एक फोटोग्राफर की नजर उन पर पड़ी। उनकी तस्वीरों ने मॉडलिंग की दुनिया के दरवाजे खोल दिए और जल्द ही उन्हें विज्ञापनों व फिल्मों के प्रस्ताव मिलने लगे। शिल्पा ने वर्ष 1993 में बाजीगर से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म की सफलता ने उन्हें रातोंरात पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कई चर्चित फिल्मों में काम किया और 1990 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। हालांकि सफलता का यह सिलसिला हमेशा जारी नहीं रहा। करियर के एक चरण में उन्हें लगातार असफलताओं का सामना करना पड़ा।

एक फिल्म बन गई टर्निंग प्वाइंट

साल 2000 में रिलीज हुई धड़कन ने शिल्पा के करियर को नई उड़ान दी। फिल्म में उनके अभिनय की खूब सराहना हुई और वह फिर से सुर्खियों में आ गईं। इसके बाद उन्होंने कई गंभीर और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाकर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। फिल्मों के अलावा शिल्पा ने टीवी और फिटनेस की दुनिया में भी अलग मुकाम बनाया। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो सेलिब्रिटी बिग ब्रदर की विजेता बनकर उन्होंने वैश्विक पहचान हासिल की। आज वह फिटनेस और योग को बढ़ावा देने वाली सबसे प्रभावशाली हस्तियों में गिनी जाती हैं।

माता-पिता के सपनों को अपना लक्ष्य बना लिया था रानी मुखर्जी ने, साझा कीं बचपन की भावुक यादें

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने अपने बचपन और परिवार से जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए हैं। एक पुराने इंटरव्यू का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जिसमें वह बताती नजर आ रही हैं कि छोटी उम्र से ही उनका सपना केवल सफल होना नहीं था, बल्कि अपने माता-पिता को हर खुशी देना भी था।

मशहूर टेलीविजन होस्ट सिमी मुखर्जी के चर्चित शो रेंडेजवस विद सिमी ग्रेवाल में बातचीत के दौरान रानी ने कहा कि वह बचपन से ही जीवन में कुछ बड़ा करने की सोच रखती थीं। उनके मन में हमेशा यह इच्छा रहती थी कि एक दिन इतनी सफल बनें कि अपने माता-पिता की हर जरूरत और इच्छा पूरी कर सकें।

रानी ने बताया कि जब वह छोटी थीं और किसी दुकान में कोई पसंदीदा चीज देखती थीं, तब भी वह उसे खरीदने की जिद नहीं करती थीं। उन्हें महसूस होता था कि हर चीज खरीदना उनके परिवार के लिए आसान नहीं है। इसलिए वह अपनी इच्छाओं को मन में ही रखती थीं और सोचती थीं कि भविष्य में मेहनत करके खुद वह सब हासिल करेंगी। उन्होंने कहा कि वह अपनी मां को किसी तरह की परेशानी

में नहीं डालना चाहती थीं। यही वजह थी कि बचपन में उन्होंने कभी अनावश्यक मांगें नहीं कीं। रानी के अनुसार, उनकी सोच अपनी उम्र के अन्य बच्चों से कुछ अलग थी, क्योंकि वह केवल अपनी इच्छाओं के बजाय परिवार की खुशियों और जिम्मेदारियों के बारे में भी सोचती थीं। रानी मुखर्जी का जन्म 21 मार्च 1978 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता राम मुखर्जी फिल्म निर्देशक थे, जबकि उनकी मां कृष्णा मुखर्जी संगीत जगत से जुड़ी रही हैं।

मेट्रो बाजार

वित्त वर्ष 26 में निजी क्षेत्र ने 56 लाख करोड़ रुपए निवेश करने का किया ऐलान: एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की गतिविधियों में वित्त वर्ष 26 में बड़ा उछाल देखने को मिला है और इस दौरान करीब 56 लाख करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान हुआ है, यह आंकड़ा वित्त वर्ष 25 में 37 लाख करोड़ रुपए पर था। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में दी गई। यह रिपोर्ट ऐसे समय पर आई है, जब निजी क्षेत्र के निवेश की गति को लेकर चर्चा जोरों पर है और इससे संकेत मिलता है कि देश में निजी निवेश में तेजी आ रही है। एसबीआई रिसर्च ने अपनी ताजा इकोरैप रिपोर्ट में बताया है कि निजी निवेश घोषणाओं में इस वर्ष तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कुल निवेश गतिविधि में व्यापक उछाल आया है। वित्त वर्ष 2019 में 17 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में सभी क्षेत्रों में कुल निवेश घोषणाएं बढ़कर 80 लाख करोड़ रुपए हो गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2026 के दौरान नए निवेश प्रस्तावों में विनिर्माण क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान रहा, जो कुल का 28.9 प्रतिशत था। विद्युत क्षेत्र का स्थान इसके ठीक बाद रहा, जिसका हिस्सा 28.7 प्रतिशत था, जबकि अवसंरचना निर्माण परियोजनाओं का कुल निवेश प्रस्तावों में 23.1 प्रतिशत का योगदान रहा। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, हालिया जीडीपी आंकड़ों से इस बात की पुष्टि होती है कि निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। वित्त वर्ष 2026 निवेश रुझानों का आकलन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है, क्योंकि आधिकारिक आर्थिक आंकड़े पूंजी निर्माण में मजबूती का संकेत देते हैं, विशेष रूप से वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान।

अदाणी पोर्ट्स को अर्जेंटीना की पहली एलएनजी निर्यात परियोजना के लिए मिला कॉन्ट्रैक्ट

अहमदाबाद । अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने कहा कि उसे अर्जेंटीना की पहली द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) निर्यात परियोजना के लिए 10 साल का समुद्री सेवा अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) मिला है। इस उपलब्धि के साथ कंपनी ने दक्षिण अमेरिका में अपना प्रवेश कर लिया है और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेवाओं के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। साथ ही इससे भारत और अर्जेंटीना के बीच बढ़ते ऊर्जा संबंधों को भी मजबूती मिलेगी। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत परिवहन उपयोगिता कंपनी ने बताया कि यह कॉन्ट्रैक्ट उसकी स्टेप-डाउन सहायक कंपनी अदाणी हार्बर इंटरनेशनल एफजेडसीओ को अर्जेंटीना की मेरिडियन ग्रुप के साथ गठित एक कंसोर्टियम के माध्यम से मिला है, जो सदर्न एनर्जी एसए द्वारा आयोजित वैश्विक प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के बाद किया गया। अदाणी समूह और मेरिडियन ग्रुप का यह कंसोर्टियम सदर्न एनर्जी एफएलएनजी परियोजना के लिए समुद्री सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस परियोजना में लगभग 7 करोड़ डॉलर (70 मिलियन डॉलर) के निवेश की प्रतिबद्धता शामिल है। परियोजना के पहले चरण में हर साल 2.45 मिलियन टन (एमटी) एलएनजी उत्पादन होने की उम्मीद है, जो लगभग 28 एलएनजी कार्गो के बराबर होगा। इसके साथ ही यह अर्जेंटीना की पहली परिचालन एलएनजी निर्यात परियोजना बन जाएगी। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अश्विनी गुप्ता ने कहा, यह परियोजना दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े ऊर्जा अवसंरचना प्रोजेक्ट्स को समर्थन देने की हमारी बढ़ती क्षमता को दर्शाती है।

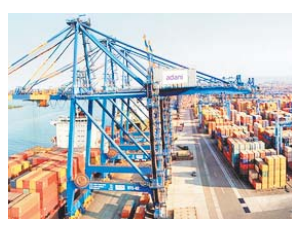

जोजिला टनल: 11000 फीट पर तीन घंटे का सफर अब 15 मिनट में...

जम्मू। लद्दाख और कश्मीर घाटी के बीच सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण महीनों तक कट जाने वाले दिन अब इतिहास बनने जा रहे हैं। आजदेश के लिए बेहद सुखद और ऐतिहासिक पल लेकर आया है। देश की सबसे लंबी और सबसे चुनौतीपूर्ण जोजिला सुरंग का आज 'ब्रेकथ्रू' होने जा रहा है, यानी सुरंग का दोनों छोर से मिलन हो जाएगा और यह आर-पार खुल जाएगी। सर्दियों में जोजिला पर आठ से दस फीट तक बर्फ गिरने से लद्दाख का सड़क संपर्क देश से कट जाता है। जोजिला की ऊंचाई 11,500 फीट से अधिक है। फरवरी 2028 तक सुरंग का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है। यह सुरंग एक तरफ भगवान श्रीअमरनाथ यात्रा के आधार शिविर बालटाल को लद्दाख के द्रास जिले के मीनामर्ग से जोड़ेगी। दोनों ओर से खोदाई का ज्यादातर कार्य पूरा हो चुका है।

न्यूज विंडो

जलगांव में भीषण सड़क हादसा, कार और बाइक की टक्कर में 6 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने घटना की पुष्टि की है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 7 बजे जलगांव के अमलनेर इलाके में 'लोंढे फाटा' के पास हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि आवाज सुनकर आस-पास के लोग तुरंत मौके पर दौड़ पड़े।शुरुआती जानकारी के अनुसार कार में सवार लोग गुजरात से आ रहे थे और महाराष्ट्र में एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान लोंढे फाटा के पास उनकी कार सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और पीछे से आ रही एक बस से जा टकराई।इस दर्दनाक एक्सीडेंट में कार में सवार चार लोगों और मोटरसाइकिल पर मौजूद दोनों लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कार सवार नंदलाल महाजन, अनीता महाजन, सुरेश महाजन और निर्मला महाजन और बाइक सवार मृतक नीलेश तावड़े और फाल्गुनी भोई के रूप में हुई है।

भोजशाला में मिली मूर्तियों के प्रदर्शन की हिंदू संगठनों ने रखी मांग

धार। धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर एक बार फिर नई चर्चा शुरू हो गई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों द्वारा हाल ही में किए गए निरीक्षण के बाद हिंदू संगठनों ने वर्ष 2024 में सर्वेक्षण और खोदाई के दौरान प्राप्त प्राचीन मूर्तियों एवं पुरातात्विक अवशेषों को भोजशाला परिसर में ही प्रदर्शित करने की मांग तेज कर दी है।

हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस सहित विभिन्न संगठनों का कहना है कि सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त लगभग 98 मूर्तियां और अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक अवशेष देश की सनातन सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन्हें भोजशाला में प्रदर्शित किया जाना चाहिए, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इस प्राचीन विरासत को देख सकें तथा उसके ऐतिहासिक महत्व को समझ सकें।

दंपती पर हाथी का हमला: दौड़ाकर कुचला, मौके पर दोनों की मौत

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के राजपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत कुंदीकला के बांधपारा में हाथी के हमले से बुजुर्ग दंपती की दर्दनाक मौत हो गई। मंगलवार सुबह जंगल की ओर जाते समय दंपती का सामना दल से बिछड़े हाथी से हो गया। हाथी ने दोनों को दौड़ाकर पटक दिया और पैरों से कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, ग्राम कुंदीकला के बांधपारा निवासी जूठन पिता नानसाय गोड (65) और उनकी पत्नी सुंदरी बाई (55) मंगलवार सुबह करीब पांच बजे घर से जंगल की ओर निकले थे। घर से लगभग 200 मीटर दूर पहुंचने पर उनका सामना हाथी से हो गया। हाथी को अचानक सामने देखकर दोनों घबरा गए। इससे पहले कि वे वहां से भाग पाते, हाथी ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया और हमला कर दिया। हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही उप वनमंडलाधिकारी आरएसएल श्रीवास्तव, वन परिक्षेत्राधिकारी अजय वर्मा और डिप्टी रेंजर मालती मांझी मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। वन परिक्षेत्राधिकारी अजय वर्मा ने बताया कि पांच हाथियों का दल सरगुजा जिले के कल्याणपुर जंगल में विचरण कर रहा था।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने बढ़ा दी कांग्रेस की टेंशन

26 सीटों के लिए 28 उम्मीदवार!

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर के 12 राज्यों में राज्यसभा की 26 सीटों के लिए 18 जून को चुनाव होने जा रहे हैं। इन 26 सीटों में 24 नियमित सीटें और 2 उपचुनाव शामिल हैं। इनके लिए कुल 28 उम्मीदवार मैदान में हैं। एनडीए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ रहा है, और विशेष रूप से झारखंड तथा मध्य प्रदेश में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के मैदान में उतरने से मुकाबला बेहद रोचक हो गया है। चुनाव आयोग ने यह चुनाव कई प्रमुख नेताओं का कार्यकाल समाप्त होने के कारण घोषित किए हैं। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा जॉर्ज कुरियन जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

भाजपा ने राज्यसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में एक अतिरिक्त उम्मीदवार खड़ा कर और झारखंड में निर्दलीय परिमल नाथवानी को समर्थन देकर विपक्षी खेमे में सेंध लगाकर दोनों राज्यों में उसे झटका देने की कोशिश की है। संख्या बल के लिहाज से झारखंड की दोनों सीटें सत्तारूढ़ इंडिया गठबंधन को और मध्य प्रदेश में एक सीट कांग्रेस को मिलनी है, लेकिन अतिरिक्त उम्मीदवारों के खड़े होने से चुनाव रोचक हो गया है।

राज्यसभा की 24 सीटों के चुनाव और तीन सीटों के उपचुनाव में विभिन्न दलों के विधायकों की संख्या के अनुसार ही भाजपा और विपक्षी खेमे ने अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं, लेकिन दो राज्यों में सीटों से ज्यादा उम्मीदवार होने से वहां पर न केवल चुनाव होगा, बल्कि विधायकों की जोड़ तोड़ की भी आशंका बढ़ गई है। मध्य प्रदेश में तीन सीटों के लिए भाजपा की तीन व कांग्रेस के एक उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किए हैं। वहीं झारखंड की दो सीटों के लिए भी झामुमो व कांग्रेस के एक-एक उम्मीदवार के साथ भाजपा के समर्थन निर्दलीय परिमल नाथवानी ने भी नामांकन किया है।

एमपी से चुग, अग्रवाल और केवट प्रत्याशी

मध्य प्रदेश में तीन सीटों के लिए चुनाव में भाजपा के तरुण चुग व रजनीश अग्रवाल के साथ आखिरी दिन महेश केवट ने भी नामांकन दाखिल किया है। यहां पर कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उतारा है। संख्या बल की लिहाज से भाजपा को दो व कांग्रेस को एक सीट मिलना तय है, लेकिन भाजपा के एक अतिरिक्त उम्मीदार के आने से विपक्षी खेमे को तोड़ फोड़ की आशंका सताने लगी है। राज्य की 230 सदस्यीय विधानसभा में 228 की प्रभावी संख्या में एक सीट के लिए 58 वोट चाहिए। भाजपा के पास 164 व कांग्रेस के पास 64 सीटें हैं।

कांग्रेस के पास जरूरी विधायकों से चार ज्यादा

कांग्रेस के दो विधायकों के वोट न डाल पाने की स्थिति में भी उसके पास 62 विधायक रहेंगे जो एक सीट जीतने के लिए जरूरी विधायकों से चार ज्यादा हैं। जबकि भाजपा के दो उम्मीदवारों के लिए जरूरी वोटों से 48 वोट ज्यादा हैं। यानी उसे तीसरी सीट भी जीतने के लिए दस और वोट चाहिए होंगे। यह तभी संभव है कि कांग्रेस में 10 वोट की क्रोस वोटिंग हो और वह बिना दूसरी वरीयता के वोटों के बिना भी जीत सके। अगर कांग्रेस को 58 से एक-दो वोट कम मिलते हैं तो दूसरी वरीयता तक मामला जाएगा।

झारखंड में चल रहा खेल, गड़बड़ा सकता है समीकरण

झारखंड में सत्तारूढ़ इंडिया गठबंधन के पास 56 विधायक हैं जो दोनों सीटो के लिए जरूरी 56 वोटों की जरूरत को पूरा करते हैं। अब भाजपा व राजग के समर्थन से निर्दलीय व्यावसायी परिमल नाथवानी के आने से समीकरण गड़बड़ा सकता है। राजग के पास 24 विधायक हैं और उसे अपने समर्थित उम्मीदवार को जिताने के लिए विपक्षी खेमे से कम से कम चार और वोट लेने होंगे। अगर सत्तापक्ष के किसी एक उम्मीदवार के पास 28 से कम वोट रहे और नाथवानी को भी 28 वोट नहीं मिले तो दूसरी वरीयता से फैसला होगा।

टीएमसी के पूर्व विधायक दत्ता समेत दो नेता गिरफ्तार

कोलकाता। बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में तृणमूल नेताओं के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में रात पूर्व विधायक व बिधाननगर नगर पालिका के अध्यक्ष सब्यसाची दत्ता को एक व्यवसायी से एक करोड़ रुपये रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बिधाननगर नगर निगम के पूर्व चेयरमैन दत्ता को रायगाछी स्थित उनके घर से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि एक व्यवसायी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और दत्ता को गिरफ्तार कर लिया।

2019 में बीजेपी में थे दत्ता

टीएमसी नेता ने 2026 के विधानसभा चुनावों में बारासात सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन वे हार गए थे। दत्ता 2019 में बीजेपी में शामिल हुए थे और कुछ साल बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी में वापस आ गए थे। उनकी गिरफ्तारी तब हुई जब बिधाननगर के पूर्व विधायक और टीएमसी सरकार में मंत्री सुजीत बोस को प्रवर्तन निदेशालय ने नगर निकाय नौकरी घोटाले के मामले में हिरासत में लिया था।

16 राज्यों तक पहुंचा मानसून, उत्तर भारत में 11 जून से बरसेंगे बादल

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण-पश्चिम मानसून कुछ दिन अटकने के बाद रफ्तार पकड़ लिया है। 4 जून को केरल में दस्तक देने के बाद से अब तक यह 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच गया है। अगले तीन-चार दिनों के भीतर मानसून के उत्तरी बंगाल तक पहुंचने का अनुमान है। इसके प्रभाव से केरल और तमिलनाडु और तटीय आंध्र प्रदेश में झमाझम बारिश हो रही है। 11 जून से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का अनुमान है, जिसके बाद दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार समेत पूर्वी भारत के कुछ हिस्से में

बारिश हो सकती है।
फिलहाल उत्तर भारत में एक बार फिर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण पश्चिम मानसून अब तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, तेलंगाना,आंध्र प्रदेश और असम समेत पूर्वोत्तर के सभी सातों राज्यों तक पहुंच गया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने फिर पाकिस्तान को लगाई फटकार

दुनिया को गुमराह करने की कोशिश नाकाम होगी

न्यूयार्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़े शब्दों में घेरा है। अफगानिस्तान की स्थिति पर आयोजित बैठक के दौरान भारत ने पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे 'फिटना अल हिंदुस्तान' शब्द को सरकारी स्तर पर फैलाया जा रहा दुष्प्रचार और गलत सूचना अभियान करार दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने ही देश के भीतर सक्रिय समूहों को 'फिटना अल हिंदुस्तान' बताना तथ्यों से परे एक ऐसा नैरेटिव है, जिसे धार्मिक शब्दावली का सहारा देकर पेश किया जा रहा है।

नफरत की फैक्ट्री' से निकला नैरेटिव

भारत ने कहा कि इस तरह की शब्दावली पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान से संचालित उस सोच का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अपने नागरिकों का ध्यान देश की वास्तविक राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों से हटाना है। पर्वथानेनी ने कहा कि भारत के खिलाफ स्थायी शत्रुता का माहौल बनाकर सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे पाकिस्तान की संगठित नफरत की फैक्ट्री का परिणाम बताया।

अफगानिस्तान में हवाई हमलों पर भी उठाए सवाल: भारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किए गए सैन्य हवाई हमलों की भी आलोचना की। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि किसी नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने से जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों की हत्या, उन्हें घायल करना और बच्चों को अनाथ बनाना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई नहीं कहा जा सकता। भारत ने आरोप लगाया कि इन हमलों से अफगान नागरिकों को भारी नुकसान और पीड़ा झेलनी पड़ी है।

मेट्रो एंकर

बेबाक बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज एक बार फिर सुर्खियों में

काटजू ने बनाई 'इश्क करो पार्टी', बोले- प्यार करो, लड़ाई नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की राजनीति और सोशल मीडिया में अपने बेबाक बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज मार्कंडेय काटजू एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। इस बार वजह कोई कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि एक नई राजनीतिक पहल है। काटजू ने इश्क करो पार्टी नाम से एक नए संगठन की घोषणा की है। उन्होंने युवाओं से इस पार्टी से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि इसका मकसद 'मेक लव नॉट वॉर' यानी प्यार करो, लड़ाई नहीं का संदेश फैलाना है। उनके इस एलान के बाद सोशल मीडिया पर बहस, मजाक और राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी से हो रही है तुलना

काटजू की नई पार्टी की तुलना सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नी सीजेपी से की जा रही है। हाल ही में यह संगठन चर्चा में आया था, जब उसने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। संगठन ने कथित परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी। सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स होने के बावजूद प्रदर्शन में सीमित संख्या में लोग पहुंचे थे। अब इश्क करो पार्टी के ऐलान के बाद कई लोग इसे कॉकरोच जनता पार्टी का नया प्रतिद्वंद्वी बता रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर ये भी कहा कि भारतीय युवाओं, बेकार की कॉकरोच वाली बातें भूल जाओ और इश्क करो पार्टी में शामिल हो जाओ।

पार्टी के सोशल मीडिया पर खूब चर्चे

मार्कंडेय काटजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जो लोग इश्क करो पार्टी से जुड़ना चाहते हैं, वे ईमेल के जरिए संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने खुद को इस पार्टी का संरक्षक बताया। काटजू के मुताबिक यह पार्टी नफरत और टकराव की राजनीति के खिलाफ प्यार, भाईचारे और इंसानी रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। उन्होंने अभी तक पार्टी का कोई औपचारिक घोषणापत्र जारी नहीं किया है, लेकिन मेक लव नॉट वॉर को इसका मुख्य संदेश बताया जा रहा है। फिलहाल इश्क करो पार्टी केवल सोशल मीडिया और ऑनलाइन चर्चा तक ही सीमित दिखाई दे रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564